सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 86 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 08 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सड़क हादसों के पीड़ितों के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का एलान

मिलेगा 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब सड़क हादसों के पीड़ितों को केंद्र सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। सड़क हादसों में घायल होने वालों को कैशलेस उपचार मिल सकेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कैशलेस उपचार योजना का एलान किया। इसके तहत हादसों के पीड़ितों के सात दिन के इलाज का 1.5 लाख रुपये का खर्च सरकार वहन करेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर पुलिस को हादसे के 24 घंटे के अंदर सूचना दे दी जाती है तो सरकार इलाज का खर्च उठाएगी। इसके साथ ही उन्होंने हिट एंड रन के मामलों में भी पीड़ित परिवारों को दो लाख रुपये तक मुआवजा देने की घोषणा की।

मंगलवार को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत मंडपम में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों के साथ बैठक की थी। इसमें परिवहन संबंधी नीतियों और केंद्र व राज्य के बीच सहयोग को लेकर चर्चा की गई। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने कैशलेस उपचार की योजना शुरू की है। इसके तहत अगर दुर्घटना होने के 24 घंटे के अंदर पुलिस को सूचना दी जाती है तो हम भर्ती होने वाले मरीज के सात दिनों के इलाज का खर्च और इलाज के लिए अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक देंगे। इसके साथ ही हम हिट एंड रन मामलों के मृतकों को दो लाख रुपये देंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। 2024 में लगभग 1.80 लाख लोगों की सड़क हादसों में जान चली गई। इसमें से 30 हजार मौतें हेलमेट न पहनने के कारण हुईं। साथ ही 66 फीसदी दुर्घटनाएं 18 से 34 साल आयु के लोगों के साथ हुईं। इसके अलावा स्कूल-कॉलेजों और शैक्षिणिक संस्थानों के पास प्रवेश और निकास बिंदुओं पर व्यवस्था न होने से हादसों में 10 हजार बच्चों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि स्कूलों के ऑटो रिक्शा और मिनी बसों के लिए नियम बनाए गए हैं। हम इसे कम करने की कोशिश करेंगे।

छह राज्यों में चलाया गया था पायलट प्रोजेक्ट

सड़क हादसों में त्वरित उपचार मुहैया कराने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय ने छह राज्यों में कैशलेस उपचार योजना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया था। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि असम, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तराखंड और पुडुचेरी में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर यह योजना सफल रही है। अब तक इसके जरिये 2100 लोगों की जान बचाई गई है। अब इसे पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

खास-खबर

नए साल में खिलाड़ियों को टेनिस और हॉकी अकादमी की सौगात

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी अकादमियों की मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खेल अधोसंरचनाओं को तेजी से विकसित किया जा रहा है। नए साल में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों को बड़ी सौगात दी हैं। उन्होंने राजधानी रायपुर में टेनिस अकादमी और राजनांदगांव में हॉकी अकादमी का प्रारंभ करने के लिए मंजूरी दी है। इन दो नई अकादमी के प्रारंभ होने से यहां के खिलाड़ी टेनिस और हॉकी के क्षेत्र में देश में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बना सकेंगे।
टेनिस और हॉकी अकादमियों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अत्याधुनिक खेल सुविधाओं के साथ ही उत्कृष्ट कोच भी उपलब्ध होंगे। जहां खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण मिलेगा, वहीं हॉकी और टेनिस के खिलाड़ियों को अपने हुनर को संवारने और निखारने में मदद मिलेगी। इन खेल अकादमियों की स्थापना से राज्य में खेलों के विकास के लिए एक नया वातावरण बनेगा।
छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रौशन कर सकेंगे। गौरतलब है कि वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायपुर में स्थापित होने वाले टेनिस अकादमी के लिए 13 नए पदों तथा राजनांदगांव की हॉकी अकादमी के लिए 14 नए पदों के सृजन की स्वीकृति दी है।

एचएमपी वायरस को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार हुआ अलर्ट

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा- आपात स्थिति के लिए हम पूरी तरह से हैं तैयार

स्वास्थ्य मंत्री ने एचएमपी वायरस को लेकर स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण बैठक में दिए दिशा निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस जिसे एचएमपीवी वायरस कहा जा रहा है, इससे निपटने के लिए छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तरह से तैयार है। वायरस को लेकर सतर्कता बरतने और तैयारियों के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मंत्रालय नवा रायपुर में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

देश के कुछ हिस्सों में इस वायरस के मरीज मिलने के बाद छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग में विशेषज्ञों की टीम सतत रूप से इस वायरस के बारे में निगरानी रख रही है और इसके लक्षणों एवं प्रभाव के बारे में भी अध्ययन कर रही है। श्री जायसवाल ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग कोरोना महामारी के बाद से ही किसी भी प्रकार के आपात स्थिति के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारी पूरी कोशिश है कि इस वायरस को रोकें और साथ ही इससे लड़ने के लिए आम जनता को भी जागरूक करें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह वायरस पहले भी रिपोर्ट किया जा चुका है और इससे घबराने की कोई बात नहीं है, लेकिन सावधानी बरतनी जरूरी है । उन्होंने आम जनता से स्वच्छता पर जोर देने की बात कही है।

गौरतलब है कि एचएमपी वायरस खांसने, छींकने से निकलने वाले ड्रापलेट्स , संक्रमित व्यक्ति से हाथ मिलाने अथवा नजदीकी संपर्क में आने , दूषित सतह पर हाथ लगाने के बाद मुंह, नाक या आंखों को छूने से फैलता है। सर्दी, खांसी , बुखार तथा सर्दियों में सांस लेने में परेशानी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ गंभीर केसेस में निमोनिया और ब्रोंकाइटिस भी इस बीमारी के लक्षण हैं। देश के कुछ राज्यों में इसके मरीज मिलने की सूचना मिलते ही राज्य के स्वास्थ्य विभाग का अमला अपनी तैयारी में जुट गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह एक सामान्य रेस्पिरेटरी वायरस है जो आम तौर पर सर्दी के दिनों में दिखाई पड़ता है।

वायरस से बचने के लिए ये करें

विशेषज्ञों के अनुसार एचएमपीवी वायरस से बचने के लिए भीड़ वाली जगह से दूरी बना कर रखें, सर्दी खांसी बुखार वाले मरीजों के के संपर्क में नहीं आएं, सर्दी खांसी बुखार के लक्षण पर तत्काल स्थानीय अस्पताल में जांच कराएं। ताकि किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। खांसते व छींकते समय मुंह व नाक को रूमाल से ढंके, अपने हाथों को साबुन एवं सेनेटाइजर से साफकरते रहें, यदि बीमार हैं तो घर पर रहें, ज्यादा पानी पीएं एवं पौष्टिक भोजन का सेवन करें।

ये काम न करें

सर्दी, खांसी व बुखार होने पर अथवा सामान्य स्थिति में भी टिशू पेपर का दोबारा इस्तेमाल न करें। बार-बार आंख नाक व मुंह को न छूएं । सार्वजनिक स्थानों पर न थूकें तथा डाक्टर से सलाह लिए बिना किसी भी दवा का इस्तेमाल न करें।

कर्नाटक लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई, 8 सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर की छापेमारी

बंगलूरू (एजेंसी)। कर्नाटक लोकायुक्त ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ सरकारी अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। जिन अधिकारियों के यहां छापेमारी की गई, उन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगे हैं। जिन अधिकारियों के ठिकानों पर छापेमारी की गई है, उनमें बंगलूरू की परिवहन संयुक्त आयुक्त शोभा शामिल हैं।

इन अधिकारियों के ठिकानों पर की गई छापेमारी

इनके अलावा कदुर के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. एस एन उमेश, बसवकल्याण के लघु सिंचाई विभाग के निरीक्षक रवींद्र, खानपुर के तहसीलदार प्रकाश श्रीधर गायकवाड़, तुमकुरु के सेवानिवृत्त सड़क परिवहन अधिकारी एस राजू, गडग नगर पालिका के सहायक कार्यकारी अभियंता हुचेश उर्फहुचप्पा, बल्लारी के पिछड़ा वर्ग विभाग के कल्याण अधिकारी आर एच लोकेश और रायचूर स्थित बीईएससीओएम कार्यालय के कनिष्ठ अभियंता हुलिराजा शामिल हैं। कर्नाटक लोकायुक्त के अधिकारियों ने बेंगलुरु और अन्य जगहों पर इन अधिकारियों के घरों और कार्यालयों सहित कई ठिकानों पर छापे मारे। अभी तक छापेमारी को लेकर लोकायुक्त ने जानकारी नहीं दी है और शाम तक इस संबंध में जानकारी मिलने की उम्मीद है।

सूदखोर शिक्षक हुआ गिरफ्तार: पैसे चुकाने के बावजूद सूद की अतिरिक्त रकम मांग रहा था शिक्षक, दी थी धमकी

सारंगढ़। सारंगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सूदखोर शिक्षक सहित दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सूदखोर शिक्षक ने अपने एक सहयोगी के साथ ब्याज का पैसा नहीं चुकाने पर युवक के घर से मोटरसाइकिल उठा ली थी।

इस मामले में दीपक चौहान ने सरसींवा थाने में शिकायत की थी। शिक्षक शंभू नारायण बंजारे तथा एक अन्य आरोपी कमल किशोर दुबे के खिलाफ पुलिस ने अब कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। सरसींवा पुलिस ने छत्तीसगढ़ ऋण संरक्षण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की है। दरअसल दीपक चौहान सरसीवा निवासी के द्वारा थाने में एक लिखित आवेदन दिया कि, वह शंभू नारायण बंजारे से रकम की आवश्यकता पड़ने पर 1 साल पहले 96 हजार रुपए लिया था। रकम को प्रार्थी के द्वारा आरोपी को वापस कर दिया गया था, परंतु आरोपी के द्वारा प्रार्थी को 15 प्रतिशत की ब्याज दर से 196000 देनदारी का स्टांप पेपर में लिखा पढ़ी करा लिया था। ब्याज के रकम 100000 को देने के लिए आरोपी के द्वारा अपने साथी आरोपी कमल किशोर दुबे के साथ मिलकर प्रताड़ित करने लगा और रकम नहीं देने के कारण प्रार्थी का नया मोटरसाइकिल को शंभू नारायण बंजारे के कहने पर कमल किशोर दुबे के द्वारा प्रार्थी के घर से उठाकर ले गया था। धमकी दिया गया था कि ब्याज कर का वापस नहीं करने पर, तुम्हारे घर में ताला लगवा देंगे। यही नहीं तीन नग ब्लैंक चेक साइन करा कर रख लिया था । प्रार्थी के रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना सरसीवा में अपराध क्रमांक 09/25 अंतर्गत धारा 308(2),3(5) बीएनएस तथा धारा 4 छत्तीसगढ़ ऋणियों के संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद का विवेचना में लिया गया।

छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में कड़ाके की ठंड

अभी दो डिग्री तक लुढ़केगा पारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन हवा की दिशा बदलने से ठंड में कम हो रही है। साथ ही रात का तापमान बढने लगा। हालांकि आउटर इलाकों में अभी ठंड बरकरार है। सुबह के समय कोहरा छाए हुए रहते हैं। आज बुधवार को मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री तक की गिरावट होगी। इसके बाद फिर से न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री तक की वृद्धि होने की संभावना है। मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि 10 जनवरी से एक नए पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है।

प्रदेश में आगामी दो दिनों तक मौसम में कुछ बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद मौसम में बदलाव आएगा। साथ ही न्यूनतम तापमान बढने की संभावना है। इससे लोगों को ठंड से राहत मिल सकती है। राजधानी रायपुर में न्यूनतम तापमान बढने से ठंड कम हो गई है। मंगलवार को प्रदेश में सबसे ठंडा अंबिकापुर रहा। यहां रात का पारा 9.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

आधे से ज्यादा हो गई महिला शिक्षकों की संख्या

श्रीकंचनपथ

यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडाइस) की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में देश में महिला टीचर्स की संख्या पुरुष टीचर्स से ज्यादा हो गई है। देश के कुल 14.72 लाख स्कूलों में इस समय कुल 98 लाख टीचर्स हैं, जिनमें से 52.3 लाख फीमेल टीचर्स हैं। 2018-19 में ये संख्या 47.14 लाख थी। तबसे स्कूलों में महिला टीचर्स की संख्या लगातार बढ़ी है। इसके साथ ही अब स्कूलों में महिला शिक्षकों की संख्या पुरुषों से ज्यासदा यानी 53.3 फीसदी हो गई है। यह तो होना ही था। आश्चर्य कि इसमें इतना वक्त लग गया। पिछले कई दशकों से यह देखा जा रहा है कि छात्राएं शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उपस्थिति से लेकर रैंक तक में वे छात्रों से काफी आगे हैं। साल 2021-22 में हुए सर्वे के मुताबिक, भारत में 10,22,386 सरकारी और 3,35,844 प्राइवेट स्कूल थे। यूडाइस की साल 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में कुल स्कूलों में निजी स्कूलों की हिस्सेदारी करीब 35 फीसदी है। यह एक दिलचस्प मामला है। इसके लिए निजी स्कूलों के अर्थशास्त्र को समझना जरूरी है। भारत में स्कूली शिक्षा, महाविद्यालयीन शिक्षा की तुलना में कई गुना महंगी है। छत्तीसगढ़ को ही लें तो यहां किसी अच्छे निजी स्कूल में प्रायमरी स्कूल की पढ़ाई के लिए सालाना 60 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक का खर्च आता है। जैसे-जैसे क्लास ऊंची होती है, फीस बढ़ती जाती है। इसी राज्य के निजी महाविद्यालयों में पूरे साल की फीस 15 से 25 हजार रुपए है। निजी क्षेत्र प्री-प्रायमरी और प्रायमरी में महिला शिक्षिकाओं को प्राथमिकता देता है। इसकी दो वजहें हैं। महिलाएं बाल मनोविज्ञान को बेहतर समझती हैं और उनसे बच्चों को कोई खतरा नहीं होता। दूसरी वजह इससे भी बड़ी है। भारत का मिडिल क्लास सबसे बड़ा तबका है। मिडिल क्लास परिवारों में स्त्री कितनी भी शिक्षित और कितने भी बड़े पद पर आसीन क्यों न हो, परिवार की गाड़ी खींचने की मूल जिम्मेदारी पुरुष की होती है। स्त्री की कमाई इसमें वैकल्पिक आय स्रोत की तरह होती है। इसका निजी क्षेत्र खूब फायदा उठाता है। अधिकांश निजी स्कूलों में उच्च शिक्षित टीचर्स को जो सैलरी दी जाती है उससे परिवार का खर्च नहीं चल सकता।

यही वजह है कि निजी क्षेत्र के स्कूलों और कालेजों में पुरुषों के मुकाबले दोगुनी या तिगुनी संख्या में महिला टीचर्स होती हैं। जब इस संख्या को देश के कुल टीचर्स की संख्या में मिला दिया जाता है तो महिलाओं की संख्या ज्यादा हो जाती है। रोजगार के दबाव में अधिकांश पुरुषों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है। कई तो अपना ग्रेजुएशन भी पूरा नहीं कर पाते। जबकि मिडिल क्लास की अधिकांश लड़कियां पोस्ट ग्रैजुएट या उससे भी ज्यादा शिक्षित होती हैं। बीएड-डीएड करने के लिए भी महिलाएं ही ज्यादा सामने आती हैं। शिक्षा के इस अर्थशास्त्र के चलते स्कूलों में उनकी संख्या लगातार बढ़ती ही रहेगी।

संपादकीय

नए वायरस से कितना डरना चाहिए

भारत में भी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस एक सामान्य वायरस है और देश के विभिन्न हिस्सों में एक फीसदी से 19 फीसदी तक इसके मामले आते रहे हैं सोमवार दोपहर तक कर्नाटक के बेंगलुरु में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के दो और गुजरात में एक मामला सामने आने के बाद अचानक भारत में चिंता का माहौल बनने लगा है। एचएमपीवी के तीनों मामले बच्चों से जुड़े हैं, जिनमें से एक तीन महीने की बच्ची है, तो दूसरा आठ महीने का लड़का। तीसरा दो महीने का बच्चा है। तीनों फिलहाल स्थिर हैं, पर एचएमपीवी को लेकर खौफजदा तस्वीरें पेश करने वाले लोग इस वायरस को कोरोना से जोड़ने लगे हैं। उनका दावा है कि चीन में एचएमपीवी कहर बनकर टूटा है, इसलिए अपने यहां भी इसका विस्फोट हो सकता है। मगर क्या वे सच हैं?

> *"एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। सबसे पहले साल 2001 में ही नीदरलैंड में इसका पता लगा था। जिन देशों में तुलनात्मक रूप से अधिक जांच या डायग्नोस्टिक लैब की व्यवस्था है, वहां बच्चों में सांस से जुड़ी न्यूमोनिया जैसी बीमारियों में एचएमपीवी संक्रमण का स्थान दूसरा रहा है। चीन में बेशक इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया, कोविड-19 और अब एचएमपीवी जैसे संक्रमण दिखे हैं, लेकिन सर्दियों और वसंत के दौरान इस तरह के मामलों में वृद्धि कोई नई बात नहीं है।*

यही कारण है कि सोशल मीडिया में चीन की गंभीर स्थिति का दावा किया जा रहा है, लेकिन न तो चीन के अधिकारियों ने और न ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस तरह की किसी इमरजेंसी का एलान किया है। अपने देश में भी जो मामले सामने आए हैं, उसके लिए अस्पतालों में नियमित तौर पर की जा रही निगरानी का शुक्रिया अदा करना चाहिए। अब अपना स्वास्थ्य तंत्र भी काफी संजीदा हो गया है। वास्तव में, यह 'ट्रिपलडेमिक्स' का मौसम है, यानी वह परिस्थिति, जिसमें इन्फ्लूएंजा, सामान्य सर्दी की वजह से बनने वाले रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (आरएसवी) और एचएमपीवी के मामले बढ़ते ही हैं। ये तीनों ही कमोबेश एक जैसे लक्षण वाले संक्रमण हैं, हालांकि आरएसवी और एचएमपीवी का परिवार एक ही है। एचएमपीवी में नाक बहने की शिकायत आती है और गले में खराश बना रहता है। यह हमारी सांस की नली के ऊपरी और निचले, दोनों हिस्से को संक्रमित करता है, इसलिए इसके मरीजों में खांसी और घरघराहट, दोनों दिखते हैं। पहली बार संक्रमित होने के बाद हमारा प्रतिरक्षा तंत्र इससे लड़ने के लिए अमूमन तैयार हो जाता है, इसलिए बाद में इसका संक्रमण बहुत हल्का दिखता है। बहुत छोटे बच्चों और 65 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए इसका पहला संक्रमण गंभीर हो सकता है। सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों व कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र वाले व्यक्तियों को भी विशेष सावधानी बरतने की जरूरत पड़ सकती है। हालांकि, कोरोना की तरह आरटीपीसीआर टेस्ट से इसके संक्रमण का पता लगाया जा सकता है, पर अपने देश में बहुत आसानी से उपलब्ध होने के बावजूद आमतौर पर इसकी जांच नहीं कराई जाती। निचले श्वसन पथ के संक्रमित होने पर इसके लक्षण कहीं गंभीर हो सकते हैं और अगर ब्रोंकियोलाइटिस, ब्रोंकाइटिस, निमोनिया, अस्थमा, फेफड़ों की पुरानी बीमारी और कान के संक्रमण का साथ मिला, तो मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है। फिलहाल ऐसी कोई एंटीवायरल दवा नहीं, जो खास इसी के लिए बनाई गई हो, पर इसके संक्रमण के ज्यादातर मामले अपने आप ठीक हो जाते हैं। गंभीर लक्षणों वाले मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट देकर और कॉर्टिकोस्टेरॉइड से इलाज किया जाता है। इसमें मृत्यु दर काफी कम है और इसका खतरा तभी बढ़ता है, जब कैंसर, प्रत्यारोपण, कोविड-19 या गंभीर इन्फ्लूएंजा वाले मरीजों में एचएमपीवी का संक्रमण होता है।

बहरहाल, सांस से जुड़े अन्य संक्रमणों की तरह इसका संक्रमण भी मरीज के सीधे संपर्क में आने और वायरस से संक्रमित वस्तु को छूने आदि से होता है। इसी कारण संक्रमण से बचने के लिए खांसने, छींकने, हाथ मिलाने आदि में सावधानी बरतने, शारीरिक संपर्क से बचने और फोन, दरवाजे के हैंडल, कीबोर्ड, खिलौने आदि न छूने की सलाह दी जाती है। साबुन और पानी से बार-बार हाथ धोना, अल्कोहल वाले सैनिटाइजर का प्रयोग, खांसते या छींकते समय नाक व मुंह को नंगे हाथ के बजाय कोहनी से ढकना और चेहरे, आंखों, नाक व मुंह को छूने से बचना आदि बुनियादी बातें हैं, जिनका हमें ख्याल रखना चाहिए। इतना ही नहीं, जिन लोगों में संक्रमण के लक्षण दिखें, उनको घर पर ही रहना चाहिए। भीड़भाड़ में जाने पर अनिवार्य रूप से मास्क लगाना चाहिए।

अच्छी बात है कि अपने देश में पहले से ही आईएलआई जैसी इन्फ्लूएंजा सरीखी बीमारियां या सांस की गंभीर बीमारियों (एसएआरआई) के एकीकृत निगरानी की व्यवस्था रही है। इसे कहीं अधिक गहन बनाने की आवश्यकता है। एकीकृत रोग निगरानी परियोजना (आईडीएसपी) की जिला व राज्य इकाइयों को भी विशेषकर छोटे बच्चों, बुजुर्गों और सह-रुग्णता वाले मरीजों की खास निगरानी करनी होगी। इसके आंकड़ों को लगातार 'अपडेट' करना होगा और निजी अस्पतालों पर भी निगरानी बढ़ानी होगी। हमें यह भी समझना होगा कि चीन में रोग नियंत्रण व रोकथाम केंद्र- सीडीसी द्वारा दिसंबर के आखिरी सप्ताह तक दर्ज आंकड़ों से पता चलता है कि वहां इस मौसम में फ्लू जैसी कई बीमारियों का फैलना सामान्य है। रुझान यही बताते हैं कि इन्फ्लूएंजा के तमाम मामलों में जिन 30.2 प्रतिशत लोगों में आईएलआई या एसएआरआई की पुष्टि की गई, उनमें से 17.7 प्रतिशत लोग अस्पताल में भर्ती हुए। जबकि, 6.2 प्रतिशत एचएमपीवी संक्रमितों में से 5.4 प्रतिशत ही अस्पतालों में भर्ती के लिए आए।

रही बात अपने देश की, तो यहां आमतौर पर इसकी जांच नहीं की जाती। अपने यहां भी यह एक सामान्य वायरस है और देश के विभिन्न हिस्सों में एक फीसदी से 19 फीसदी तक इसके मामले आते रहे हैं। बेशक यह मुख्य रूप से समशीतोष्ण जलवायु में छोटे बच्चों की बीमारी है, लेकिन अब तक उपलब्ध भारत के आंकड़े बताते हैं कि इसके 44 फीसदी मामले 15-50 वर्ष की आयु वर्ग वाले लोगों में रहे हैं। इन्फ्लूएंजा, आरएसवी, डेंगू, लेप्टोस्पाइरा और स्क्रब टाइफस जैसे कई संक्रमणों के साथ भी इसका संक्रमण पाया गया है, जिसके कारण कभी-कभी यह गंभीर बन सकता है। जाहिर है, व्यापक जांच-पड़ताल के बाद ही पूरी तस्वीर साफहो सकती है और सामान्य वायरस होने के कारण जांच में इसके अधिक मामले सामने आ सकते हैं। प्राथमिक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल और गुणवत्तापूर्ण अस्पताल प्रबंधन से ही हम सुनिश्चित कर सकेंगे कि यह हमारे लिए चिंता की वजह न बने।

नजरिया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'तपस्या' का महाकुंभ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के करीब आठ वर्ष के शासनकाल में राज्य की 'तस्वीर' काफी बदल गई है। इस बदलाव का आगाज 2017 से उनके पहली बार सीएम बनने के बाद दिखने लगा था जो आज नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। खास बात यह है कि पिछले आठ वर्षों में योगी की कार्यशैली और तेवर में कोई बदलाव नहीं आया है। न वह रूके हैं,न थके हैं। लॉ एंड आर्डर, महिलाओं का सम्मान और सुरक्षा, अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस, आज भी उनकी प्राथमिकता में है।

संजय सक्सेना, लखनऊ

बुलडोजर को उनकी दूसरी इनिंग में भी आराम नहीं दिया गया था। यह सब तो प्रशासनिक स्तर पर हो रहा है, वहीं योगी, प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को भी वह अपने अंदाज में नया आयाम दे रहे हैं। योगी के पहले कार्यकाल में 2019 में प्रयागराज में शानदार अर्धकुंभ का आयोजन और वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के मंदिर का जीर्णोधार खास रहा तो 05 अगस्त 2020 को उनका प्रधानमंत्री के साथ अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के मंदिर की आधारशिला रखना भी सनातन प्रेमियों के लिये 'मिल का पत्थर' साबित हुआ। इसके करीब सवा साल बाद 13 दिसंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के फेज-1 का उद्घाटन किया तो इस मौके पर भी योगी, पीएम मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाये खड़े नजर आये। हिंदू धर्म के लिहाज से देखें तो काशी का ज्योतिर्लिंग 12 में सबसे महत्वपूर्ण है। इस कॉरिडोर की नींव खुद पीएम मोदी ने 8 मार्च 2019 को रखी थी।

बात दूसरे कार्यकाल की कि जाये तो यह भी शानदार चल रहा है। 22 जनवरी 2024 को रामलाल के मंदिर का उदघाटन करके मोदी के साथ-साथ योगी ने भी करोड़ों सतातन प्रेमियों रामभक्त हिन्दुओं का दिल जीत लिया। अभी कुछ दिनों पूर्व ही योगी ने प्रदेश के पांच जिलों के मंदिरों के विकास का ऐलान किया है। इसमें लखीमपुर खीरी से उन्नाव हरदोई फर्रुखाबाद जैसे पांच बड़े जिलों के मंदिरों को शामिल किया गया है। इसके लिए करोड़ों रुपये का बजट घोषित किया गया है, ताकि मथुरा, काशी और अयोध्या जैसा भव्य स्वरूप इन धार्मिक स्थलों को दिया जा सके। मगर सबसे खास है प्रयागराज में होने जा रहा महाकुंभ-2025,जिसका वर्णन हिंदू पौराणिक कथाओं में निहित है। यह दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक समागम और आस्था का सामूहिक आयोजन है। इस समागम में मुख्य रूप से तपस्वी, संत, साधु, साध्वियाँ, कल्पवासी और सभी क्षेत्रों के तीर्थयात्री शामिल होते हैं। कुंभ मेला एक ऐसा आयोजन है जो आंतरिक रूप से खगोल विज्ञान, ज्योतिष, आध्यात्मिकता, अनुष्ठानिक परंपराओं और सामाजिक-सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं के विज्ञान को समाहित करता है, जिससे यह ज्ञान में बेहद समृद्ध हो जाता है।

वैसे तो महाकुंभ मेला-2025 प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होने रहा है,लेकिन इसकी तैयारियां तीन साल पहले योगी सरकार ने 2022 में दूसरी बार सरकार बनाने के साथ ही शुरू कर दी थी। योगी ने महाकुंभ को भव्य बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। इधर तो शायद ही कोई दिन ऐसा गया होगा जब योगी ने महाकुंभ के कार्यो की समीक्षा नहीं की होगी। इस कुंभ को योगी की तीन साल की तपस्या का महाकुंभ कहा जाये तो गलत नहीं होगा। महाकुंभ की तैयारियां अब अंतिम पड़ाव पर हैं।

जारी किया महाकुंभ का प्रतीक चिन्ह

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 6 अक्टूबर 2024 को प्रयागराज में महाकुंभ-2025 के प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण साथ ही वेबसाइट और ऐप को भी लॉन्च किया। महाकुंभ के लोगो का उपयोग महाकुंभ की वेबसाइट और ऐप के साथ अन्य प्रचार माध्यमों में किया जाएगा। वेबसाइट और ऐप श्रद्धालुओं और पर्यटकों के वायु, रेल और सड़क मार्ग से महाकुंभ पहुंचने में काफी कारगर रहने वाला है। इसके माध्यम से प्रयागराज में आवास, स्थानीय परिवहन, पार्किंग, घाटों तक पहुंचने के दिशा-निर्देश आदि की जानकारी मिल सकेगी। इसमें स्थानीय और आसपास के पर्यटन स्थलों की भी जानकारी होगी। मेला स्थल और धार्मिक गतिविधियों से जुड़ी हुई जानकारी इसके जरिए दी जाएगी।

महाकुंभ से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

पर्यटन के क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचने की योगी सरकार की उम्मीदों का आधार इस बार प्रयागराज में लगने वाला महाकुंभ बनता दिख रहा है। पिछले डेढ़ दशक के पन्ने पलटे तो यूपी में सबसे अधिक 58 करोड़ से अधिक पर्यटन 2019 में यूपी में आए थे। इसमें 24 करोड़ से अधिक की हिस्सेदारी लगभग डेढ़ महीने तक चले प्रयागराज कुंभ की थी। इसलिए, 13 जनवरी से शुरू हो रहे प्रयागराज महाकुंभ में लगने वाली आस्था की डुबकी से यूपी की अर्थव्यवस्था को 'अर्थ' के अमृत की आस है। माना जा रहा है कि महाकुंभ में इस बार 40 से 45 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। मानवता की इस सबसे बड़ी जुटान के भरोसे प्रदेश में 2025 में कुल पर्यटन की संख्या 65 से 70 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। महाकुंभ में व्यवस्थागत तैयारियों पर 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। अलग-अलग देशों में भी ब्रांडिंग का असर यह है कि यूरोपीय देश के नागरिक भी महाकुंभ आने या जानकारी हासिल करने के लिये उत्साहित नजर आ रहे हैं। वहीं महाकुंभ की आभा पर मां गंगा की कृपा बरसने लगी है। संगम पर गंगा मैइया ने लगभग 300 मीटर स्नान घाट के विस्तार का अवसर दे दिया। ठीक संगम नोज के सामने यह जगह मिल गई है। इससे संगम का स्नान घाट लगभग पांच हजार रनिंग फीट हो जाएगा, जो पहले लगभग साढ़े तीन हजार रनिंग फीट तक ही हो पा रहा था।

फेक न्यूज रोकने को डिजिटल वारियर्स

महाकुंभ में कोई व्यवधान नहीं खड़ा कर पाये इसलिये फेक न्यूज के खिलाफ अभियान चलाने,साइबर अपराध के प्रति जागरूकता एवं पुलिस के सराहनीय कार्यो को इंटरनेट मीडिया के विभिन प्लेटफार्म पर प्रसारित करने के लिए डिजिटल वारियर्स को तैनात किया गया है। इसके लिए युवा पीढ़ी के इंटरनेट मीडिया इन्फ्लूएंसर्स एवं कालेज के छात्रों को जोड़ा गया है। वहीं महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सटीक गिनती के लिए एआई से लैस कैमरे लगाए गये हैं। योगी सरकार का कहना है कि प्रयागराज में हर 6 साल पर होने वाले कुम्भ या 12 साल पर होने वाले महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सही संख्या गिनने की अभी तक कोई सटीक तकनीक नहीं थी।

अस्त्र-शस्त्र संग आवाहन अखाड़े का छावनी प्रवेश

महाकुंभ का आगाज नजर आने लगा है। सुसज्जित रथों, बग्घियों पर सवार नागाओं, संगम की रेती पर 22 दिंसबर को श्रीपंच दशनाम आवाहन अखाड़े के महामंडलेश्वरों, श्रीमहंतों, नागा सन्यासियों की छावनी प्रवेश शोभायात्रा निकली तो उनकी एक झलक पाने के लिए लोग उमड़ पड़े। विविध रूप वाले बाबाओं को देखने के लिए लोग कतारबद्ध खड़े रहे। रास्ते भर नागा सन्यासियों के दल शस्त्रों, लाठियों से कलाबाजियां भी करते रहे। छतों, बारजों से पुष्पों की वर्षा होती रही। मड़ौका उपरहार से दिन के 12 बजे भगवान सिद्ध गणेश के पूजन के साथ रथों, बग्घियों, सुसज्जित घोड़ों पर सवार होकर आवाहन अखाड़े के संतों की छावनी प्रवेश शोभायात्रा निकली।

यूनेस्को से कुंभ को मान्यता

वर्ष 2017 में कुंभ मेले को यूनेस्को ने 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर' का दर्जा दिया था। महाकुंभ का आयोजन हर 144 साल में यानी 12 पूर्ण कुंभ मेलों के बाद होता है। पूर्ण कुंभ मेला हर 12 साल में आता है और इसे इन चारों जगहों पर बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, हर 6 साल में दो जगहों हरिद्वार और प्रयागराज में अर्ध कुंभ मेला भी लगता है। अर्ध कुंभ, पूर्ण कुंभ के बीच में आता है।

सरकार मीडिया को देर रही महाकुंभ कवरेज की टिप्स

मीडिया कवरेज के लिए अंग्रेजी और हिंदी में छपे यूपी सरकार के एक ब्रोशर में पत्रकारों और संपादकों को बताया गया है कि महाकुंभ 2025 को कैसे कवर किया जाए, उन्हें किस तरह की स्टोरी करनी चाहिए और इसके लिए वे किससे बातचीत करें व किसका साक्षात्कार लें। महाकुंभ 2025 की तैयारियां 2022 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक के साथ शुरू हुई। तब से मुख्यमंत्री ने योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के कई दौरे किए। आयोजन से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं तैयारियों का जायजा लिया और कई प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम की मेजबानी करने के लिए एक अस्थायी शहर, 'महाकुंभ नगर' बसाने के लिए यह जरूरी था। इस नए शहर को बनाने के लिए 50,000 से ज्यादा मज़दूरों ने दिन-रात खुद को समर्पित कर दिया। जहां स्थायी पुल समय पर नहीं बन पाए, वहां अस्थायी चार लेन वाले स्टील पुल बनाए गए। प्रयागराज की ओर जाने वाली सड़कों को चौड़ा किया गया और तीर्थयात्रियों की आमद को ध्यान में रखते हुए उनका सौंदर्यीकरण किया गया। डबल इंजन वाली सरकार ने बेहतर तालमेल के साथ काम किया और यह सुनिश्चित किया कि रेलवे पुल और अन्य बुनियादी ढांचे इस आयोजन की मांगों को पूरा करें।

जब साक्षी महाराज को कुंभ में नहीं आने दिया गया

निर्मल अखाड़ा अपनी नीति-नियम के प्रति सख्त व समर्पित है। पद भले कितना बड़ा हो, लेकिन गलत कार्य करने वाले को क्षमा नहीं किया जाता। यही कारण है कि बीजेपी सांसद साक्षी महाराज को भी कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। साक्षी महाराज निर्मल अखाड़ा के महामंडलेश्वर हैं। 10 फरवरी 1997 में भाजपा के चर्चित नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी की फर्रुखाबाद में गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्याकांड में साक्षी महाराज का नाम जुड़ गया। इस पर अखाड़े ने उन्हें समस्त पदों से हटा दिया। वर्ष 2001 से 2007 तक हुए कुंभ-महाकुंभ में उन्हें शामिल नहीं किया। कोर्ट से बरी होने के बाद पुनः अखाड़े में शामिल किया गया।

महाकुंभ पर आतंक का भी साया

एक तरफकेंद्र की मोदी और यूपी की योगी सरकार महाकुंभ को यादगार बनाने में जुटी हैं तो दूसरी तरफ कट्टरपंथियों की जमातें चुपचाप पर्दे के पीछे से महाकुंभ में षड्यंत्र का जाल बिछा रहे हैं।खुफिया जानकारी के अनुसार महाकुंभ में अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने के लिए सीमा पार से भारत के मीर जाफरों की फौज को सक्रिय कर दिया गया है, जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में छद्म वेष धारण करके राष्ट्र विरोधी, मानवता विरोधी और समाज विरोधी कार्यों को अपने आकाओं के आदेशों पर निरंतर सम्पन्न कर रहे हैं। आतंक के आकाओं की विध्वंसात्मक सरगर्मियों की जानकारी होते ही शासन ने प्रयागराज में सीबीआई टीम गठित कर दी है जो केमिकल अटैक से निपटने में सक्षम बताई जाती है। इसी तरह बम निरोधी दस्तों की संख्याओं में भी इजाफा किया गया है। साइबर अटैक से निपटने के लिए विशेषज्ञों की सेवाएं सुनिश्चित की गई है। एनआईए द्वारा विशेष चौकसी बरतने हेतु गुप्त स्थान निर्धारित किये जा चुके है जहां से आयोजन स्थल पर पूरी तरह से निगरानी की जा सकेगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

विमान हादसों से कई तरह के सवाल उठा

रजनीश कपूर

ताजा विमान हादसे ने दुनिया भर के हवाई यात्रियों और विमानन विशेषज्ञों के मन में एक बार फिर से कई तरह के सवाल उठा दिए हैं। क्या हवाई यात्रा प्रदान करने वाली एयरलाइन कंपनियाँ यात्री सुरक्षा के साथ समझौता तो नहीं कर रहे क्या विमान कंपनियों और एयरलाइंस पर निगाह रखने वाले नागरिक उड्डयन मंत्रालय व उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे हैं हर देश के नागरिक उड्डयन मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

सन् 2024 के आखिरी सप्ताह में एक के बाद एक कई विमान हादसों की खबर आई। इनमें कई बेक़सूर लोगों ने अपनी जान भी गवाई। परंतु जब भी कोई विमान हादसा होता है संबंधित जाँच विभाग दुर्घटना के कारणों की जाँच में जुट जाते हैं। जाहिर सी बात है कि हादसे के जाँच होना तो लाजमी है। परंतु जब-जब विमान हादसे होते हैं और हादसों की जाँच की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि भविष्य में ऐसे हादसे न हों क्या विश्व भर के नागरिक उड्डयन मंत्रालय व उससे संबंधित विभाग और एयरलाइंस इन रिपोर्टों को गंभीरता से लेते हैं ताजा उदाहरण दक्षिण कोरिया के मुआन हवाई अड्डे पर हुए जेजु एयरलाइंस के हादसे का है। इस विमान में 179 यात्रियों और क्रू की दर्दनाक मौत हुई। दक्षिण कोरिया के एविएशन इतिहास में यह अब तक का सबसे बड़ा व दर्दनाक हादसा माना जा रहा है। इस हादसे के पीछे पक्षी टकराने का कारण माना जा रहा है। परंतु एविएशन के विशेषज्ञों के मुताबिक केवल पक्षी के टकराने से इतना बड़ा हादसा नहीं हो सकता।

गौरतलब है कि जहां-जहां भी एयरपोर्ट बनते हैं वहां पर इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि किसी भी तरह के पक्षियों का बसेरा न बन पाए। एयरपोर्ट की व्यवस्था में जुटे विभाग इस बात पर विशेष ध्यान देते हैं कि यदि किसी भी तरह के पक्षी एयरपोर्ट के आसपास दिखाई देते हैं तो वो न सिर्फ एटीसी को सावधान करते हैं बल्कि इस बात पर भी ध्यान देते हैं कि पक्षियों को वहां से दूर कैसे किया जाए। जेजु विमान हादसे का वीडियो देखने से यह बात स्पष्ट होती है कि विमान के लैंड होते समय विमान के लैंडिंग गियर खुल नहीं पाए। तेज गति के इस विमान को रनवे से फिसलते हुए एक कंक्रीट के ढांचे में भिड़ते हुए देखा गया, जिस पर भी सवाल उठ रहे हैं। दुनिया भर के एविएशन विशेषज्ञों द्वारा एक अन्य कारण पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। उनका मानना है कि विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम को उपयोग में नहीं लाया गया। उल्लेखनीय है कि ऐसे विमानों के डिजाइन में एक विशेषता है कि किसी भी आपात स्थिति में यदि विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम काम नहीं करते हैं तो ऐसी स्थिति में पायलट के पास एक इमरजेंसी गियर भी होता है जिसकी मदद से विमान के लैंडिंग गियर को खोला जा सकता है।

ऐसा क्या कारण था जो कि इस फ्लाइट के पायलट ने लैंडिंग गियर को नहीं खोल पाया। विमान की बात करें तो इस विमान में भी अन्य विमानों की तरह दो इंजन थे। यदि पक्षी के टकराने से एक इंजन फेल भी हो गया तो भी विमान के पास इतनी पॉवर होती है कि वह उसे सुरक्षित लैंड करवा सके। लेकिन ऐसा क्या हुआ और क्यों हुआ यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। इस विमान हादसे ने दुनिया भर के हवाई यात्रियों और विमानन विशेषज्ञों के मन में एक बार फिर से कई तरह के सवाल उठा दिए हैं। क्या हवाई यात्रा प्रदान करने वाली एयरलाइन कंपनियाँ यात्री सुरक्षा के साथ समझौता तो नहीं कर रहे क्या विमान कंपनियों और एयरलाइंस पर निगाह रखने वाले नागरिक उड्डयन मंत्रालय व उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे मुनाफा कमाने की मंशा से एयरलाइन कंपनियाँ यात्री सुरक्षा से संबंधित किए जाने वाली नियमित जांच-परख को केवल औपचारिकता के तहत ही कर रहे हैं क्या एयरलाइन के पायलट अपनी निर्धारित ड्यूटी को ही निभा रहे है या तय समय से अधिक, बिना जरूरी विश्राम के विमान को उड़ा रहे हैं यदि इनमें से किसी भी एक सवाल का उत्तर हाँ' है तो यह एक गंभीर विषय है जिसे हर देश के नागरिक उड्डयन मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

भारत की बात करें तो हमें ऐसे अनेकों उदाहरण मिल जाएंगे जहां देश के नागरिक उड्डयन मंत्रालय और उसके अधीन डीजीसीए किस तरह मामूली सी चूक होने पर किसी एयरलाइन के क्रू को बहुत कड़ी सजा देता है और वहीं किसी एयरलाइन की बड़ी-से-बड़ी गलती को भी अनदेखा कर देता है। फिर चाहे वो कोई निर्धारित एयरलाइन कंपनी हो या निजी चार्टर सेवा प्रदान करने वाली कंपनी। यदि मंत्रालय के भ्रष्ट अधिकारियों ने मन बना लिया है कि वो कानून की धज्जियां उड़ा कर उस कंपनी के प्रति अपनी वफादारी साबित करेंगे, तो वे ऐसा ही करेंगे। एक अनुमान के तहत आनेवाले दो दशकों में भारत का नागर विमानन ट्रैफिक 5 गुना बढने की संभावना है। यदि इस क्षेत्र में हमें एक अच्छी पहचान बनानी है तो नागरिक उड्डयन मंत्रालय, डीजीसीए व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को अपने स्वार्थों को दरकिनार करते हुए यात्रियों की सुरक्षा और एयरलाइन कम्पनी के विमानों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी।

डीजीसीए के एयर सेफ्टी डिपार्टमेंट', फ्लाइट स्टेण्डर्ड्स डिपार्टमेंट', एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग' व एयरवर्थिनेस डिपार्टमेंट' जैसे विभागों को विमानों की जांच के हर पहलू को कड़ाई से लागू करने को गम्भीरता से लेना होगा। ऐसा करने से एक ओर हवाई यात्रा करने वाले यात्री अपने को सुरक्षित महसूस करेंगे। वहीं दूसरी ओर एयरलाइन कम्पनियों को भी इस बात का खौफ बना रहेगा कि छोटी सी भूल के चलते उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही भी हो सकती है।

(ये लेखक के विचार हैं)

नया मनुष्य कैसे पैदा होगा

जब तक धार्मिकता की हवा पैदा नहीं होती, तब तक वास्तविक धर्म और अखंड मनुष्य पैदा नहीं हो सकता। अखंडित मनुष्य अपने आप में पूर्ण है। उसकी पूर्णता ही उसकी पवित्रता है। चलिए साल तो नया हो गया, लेकिन मनुष्य? वह कैसा है- नया या पुराना? ओशो का पूरा दर्शन और कार्य नए मनुष्य के जन्म के लिए है। वह कहते हैं, नए मनुष्य में मानवता का पूरा भविष्य समाया हुआ है। सवाल यह है, यह नया मनुष्य कौन होगा और कहां से आएगा? यह हमारे भीतर से ही आएगा, लेकिन हम जैसे हैं, वैसे नहीं रह सकते, हमें बदलना होगा। उन्होंने बहुत साफबिंदु दिए हैं कि नए मनुष्य की पहचान क्या होगी?

आदमी सुखी हो सकता है, अगर जो उसे मिल रहा है, उसे वह पूरे अनुग्रह से स्वीकार कर ले। अनुग्रह का भाव अंकुरित होता है हृदय में, लेकिन हृदय का द्वार सबका बंद पड़ा है। हमारी शिक्षा में, संस्कृति में, परवरिश में, कहीं भी हृदय को विकसित करना सिखाया नहीं जाता। जरा सोचें, जो मिला है, वह कितना अपूर्व है : इतनी सुंदर प्रकृति, रोज ऊगता नया सूरज, रात में निकलते चांद-तारे, सुफला-सुजला धरती, क्या इसके हम हकदार हैं? प्रतिपल अनुग्रह से जीना सीखें, तो सुख ही सुख है। सुख कोई बाहर किसी बैंक में रखा निवेश नहीं है, वह हर पल आपकी संवेदना में है। अगर एक नया मनुष्य पैदा करना है, तो हमें क्षण में सुख लेने की क्षमता और हर क्षण के प्रति आदर और अनुग्रह सीखना पड़ेगा।

दूसरे, आज की सबसे बड़ी जरूरत है कि लोग धार्मिकता को समझें। जिसे लोग धर्म समझते हैं, वे धर्म नहीं हैं, वे चट्टानें हैं। धार्मिकता तो एक बहती हुई सरिता है, जो पग-पग पर मोड़ लेती, निरंतर अपने मार्ग बदलती, लेकिन अंततः सागर तक पहुंचती है। धार्मिकता हृदय की खिलावट है। वह तो अपनी आत्मा, अपनी ही सत्ता के केंद्रबिंदु तक पहुंचने का नाम है। ध्यान रहे, आदमी किसी धर्म में पैदा नहीं होता, धर्म आदमी के भीतर पैदा होता है। धर्म की परिभाषा भगवान महावीर ने की है, वस्तु स्वभावो धमः। हर वस्तु का जो स्वभाव है, वह उसका धर्म है। जैसे, पानी का धर्म है नीचे की ओर बहना, भाप का धर्म है हवा में उड़ना। अग्नि का धर्म है गर्मी पैदा करना, माटी का धर्म है स्थिर रहना। मनुष्य भी निसर्ग का हिस्सा है, उसे अपना धर्म ढूंढ़ना जरूरी है। काश! पूरी धरती पर धार्मिकता फैल सकती, तो सारे धर्म विदा हो जाते। यह मनुष्य जाति के लिए एक महान वरदान होगा, जब मनुष्य केवल मनुष्य होगा- न ईसाई, न मुसलमान, न हिंदू!

जब तक धार्मिकता की हवा पैदा नहीं होती, तब तक वास्तविक धर्म और अखंड मनुष्य पैदा नहीं हो सकता। अखंडित मनुष्य अपने आप में पूर्ण है। उसकी पूर्णता ही उसकी पवित्रता है। वह इतना परितृप्त है कि फिर उसे दूर कहीं स्वर्ग में बैठे, उसकी देखभाल करने वाले किसी ईश्वर की मानसिक जरूरत नहीं रह जाती।

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत रोजगार दिवस का हुआ आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के मार्गदशन में जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यों की जानकारी से ग्रामीणों को अवगत कराया गया और योजना के महत्व की जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत ग्रामीणों, कृषकों, मनरेगा जॉबकार्डधारी परिवारों को भूमिगत जल रिचार्ज एवं जल भराव को लंबे अवधि तक रोकने के बारे में किए जाने वाले कार्यों को लेकर प्रोत्साहित किया गया। तालाब, डबरी, कुआं के अलावा जल संरक्षण एवं जैव विविधता के महत्व के बारे में एवं जल निकायों के कायाकल्प एवं जीर्णोद्वार के सकारात्मक प्रभावों को बताते हुए ग्रामीणों को भूमिगत जल में वृद्धि एवं स्वच्छता हेतु संकल्प दिलाई गयी।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर के निर्मम हत्या मामले में विरोध के स्वर तेज

दुर्ग। बीजापुर के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर के निर्मम हत्या मामले में मीडिया कर्मियों के अलावा राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। इस कड़ी में दुर्ग प्रेस क्लब (पत्रकार परिषद, जिला दुर्ग) के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मंगलवार को जिला कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी से मुलाकात कर उन्हें राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर पत्रकार स्व. मुकेश चंद्राकर के हत्यारो के खिलाफ कठोर कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की पुरजोर मांग की गई। आक्रोशित वरिष्ठ पत्रकारों का कहना था कि हत्या की यह घटना निंदनीय है। ऐसी घटना से मीडियाकर्मियों की लेखनी थमने वाली नहीं है, बल्कि पूरे मजबूती से आगे भी समाज विरोधी ताकतों के खिलाफ सच्चाई की यह जंग जारी रहेगी। दुर्ग प्रेस क्लब की मांगों में युवा पत्रकार स्व. मुकेश चंद्राकर के हत्यारो को फांसी की सजा, पीड़ित परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी, पीड़ित परिवार को 1 करोड़ की मुआवजा राशि और प्रदेश में पत्रकारों के सुरक्षा हित में पत्रकार सुरक्षा कानून जल्द लागू करने की मांग शामिल है। ज्ञापन सौंपने मीडिया कर्मी पटेल चौक से रैली की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां उन्होंने पत्रकार की हत्या के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। पत्रकारों ने उक्त मांगों पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री से तत्काल कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान दुर्ग प्रेस क्लब अध्यक्ष अरुण मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार सतीश वर्मा, पुनीत कौशिक, पवन देवांगन, रोमशंकर यादव, धनेंद्र सिंह चंदेल, राहुल शर्मा, आशीष ठाकुर, पुरेंद्र देशमुख, ज्वाला अग्रवाल, नसीम फारूकी, वीना दुबे, प्रेमलाल देशमुख, गोविंद यदु ,रंजन पांडेय, छन्नूलाल सिन्हा, हमीद खान, दीपक राजपूत के अलावा प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारगण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दुर्ग कलेक्टर के सख्त तेवर

लंबे समय से अनुपस्थित कर्मचारियों की सेवा होगी समाप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय कार्यालयों में लम्बे समय से अनुपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त होगी। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक में समय-सीमा प्रकरणों और विभागीय गतिविधियों की विभागवार समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान कई विभागों द्वारा कार्यालय में लम्बे समय से अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारियां दी गई लेकिन अब तक इस संबंध में नियमानुसार कार्यवाहियां नहीं की गई है।

कलेक्टर ने शासन के निर्देशों का हवाला देते हुए कार्यालयों में लम्बे समय से अनिधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों की सेवाएं मार्च 2025 से पहले समाप्त करने के कड़े निर्देश संबंधित जिला प्रमुख अधिकारियों को दिये हैं।

इसी प्रकार समाज कल्याण विभाग के नान डीबीटी वाले 288 पेंशन हितग्राही जो पेंशन राशि से लाभान्वित हो रहे वे वर्तमान में जीवित है या नहीं है इसकी सत्यापन कराने उप संचालक समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया हैं।

देनदारियों की जानकारी कार्यालय को भेजें

उन्होंने स्थापना एवं अन्य विभागीय देनदारियों की जानकारी संबंधित उच्च कार्यालयों को भेजने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कार्यालयों में अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत चिकित्सा देयकों का भलीभांति परीक्षण करने सीएमएचओ एवं सीविल सर्जन को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने नगरीय निकाय/पंचायत चुनाव के तैयारी की भी जानकारी ली। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि निकायों एवं जनपद पंचायतों से मतदान केन्द्रों का भौतिक सत्यापन, स्ट्रांग रूम व मतदान सामग्री वितरण, वाहनों का रूटचार्ट, नये मतदाताओं और मतदान दल गठन के संबंध में जानकारी प्राप्त हो गई है। कलेक्टर चौधरी ने मतदान दल प्रशिक्षण हेतु तिथियां निर्धारित करने के निर्देश दिये हैं।

निर्माण एजेंसी को कार्यों में प्रगति लाने के दिए निर्देश

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने शिक्षा विभाग के स्कूल जतन योजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित निर्माण कार्य एजेंसी विभाग को कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने सभी एसडीएम को राजस्व भूमि सुधार कार्य पर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने की बात कही। उन्होंने 70 प्लस आयु वर्ग के आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य का नगरीय निकाय और जनपदवार समीक्षा की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत नगरीय निकाय एवं जनपदवार प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। निकायों और जनपदों में योजना के विस्तार हेतु अधिकारियों को आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये गये।

अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों का करें निराकरण

कलेक्टर ने अधिकारियों को विभागों में रिक्त अनुकम्पा नियुक्ति भर्ती प्रक्रिया प्राथमिकता से पूर्ण करने के साथ ही आवेदकों को रिक्त पदों की जानकारी से अवगत कराने कहा। कलेक्टर ने जिले में ई-ऑफिस की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अवगत कराया कि शासन के निर्देशानुसार ई-ऑफिस के माध्यम से कार्यालयों का पत्र व्यवहार ऑनलाईन होगा। यह एक सरलीकृत, उत्तरदायी, प्रभावी, जवाबदेह और पारदर्शी कार्यप्रणाली प्राप्त करने का माध्यम है। ई-ऑफिस की गति और दक्षता विभागों को सूचित और त्वरित निर्णय लेने में सहायता करती है। इससे सिस्टम के जरिए जहां सरकारी काम में वक्त की बचत होगी, वहीं सरकारी काम में पारदर्शिता आएगी।

खनिज न्यास निधि के कार्यों की जानकारी देने का निर्देश

कलेक्टशर ने खनिज न्यास निधि कार्यों की जानकारी आगामी समय-सीमा बैठक के पहले सोमवार तक उपलब्ध कराने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों से धान के उठाव, कस्टम मिलिंग और संग्रहण केन्द्रों में पर्याप्त धान भण्डारण पर विशेष ध्यान देने डीएमओ को निर्देशित किया है। कलेक्टर चौधरी ने मुख्यमंत्री के अन्य पत्र, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन, पीजीएन, सार्थ-ई-पोर्टल और पीजी पोर्टल के लम्बित प्रकरणों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रकरण एक माह से ऊपर लम्बित नहीं होना चाहिए, सभी विभाग लम्बित प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाये। बैठक में एडीएम अरविन्द एक्का, सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह, सभी नगर निगम आयुक्त, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह के लिए अधिकारियों को दी जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

झांकी का थीम राज्य सरकार की एक वर्ष की उपलब्धि पर आधारित होगी

दुर्ग। प्रतिवर्ष की भांति गणतंत्र दिवस 26 जनवरी का आयोजन जिले में गरिमामयी एवं हर्षोल्लास के साथ जिला मुख्यालय अंतर्गत भिलाई स्थित प्रथम बटालियन ग्राउण्ड में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 9 बजे से किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों में सुबह 8 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस के आयोजन के लिए कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने अधिकारियों की बैठक में विभागवार जिम्मेदारी सौंपी है। जिला मुख्यालय में मुख्य समारोह स्थल में ही परेड आयोजित की जाएगी। इसके अलावा अन्य स्थान पर परेड आयोजित नहीं होगी। परेड में जिला आरक्षक बल, विशेष बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, होमगार्ड शामिल होंगे। इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए समिति बनाने तथा जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम तैयारी प्रारंभ करने कहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रम में सभी प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियां समाहित हो।

कार्यक्रम स्थल में बेरिकेटिंग एवं बैठक व्यवस्था के लिए लोक निर्माण विभाग को, साफ -सफाई, पेयजल, शौचालय सहित शामियाना, कुर्सियां, लाउडस्पीकर आदि की व्यवस्था के लिए नगर निगम भिलाई को, विशिष्ट अतिथियों के लिए आवश्यक व्यवस्था के लिए लोक निर्माण विभाग को, कार्यक्रम स्थल में चबूतरा निर्माण, झण्डे आदि की व्यवस्था के लिए लोक निर्माण व रक्षित निरीक्षक को जिम्मेदारी दी है।

मंच सजावट के लिए उद्यानिकी विभाग को, विद्युत कनेक्शन, जनरेटर आदि की व्यवस्था के लिए नगर निगम एवं विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग को, सम्मानीय अतिथियों की बैठक व्यवस्था के लिए प्रभारी अधिकारी प्रोटोकॉल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को, ध्वजारोहण पश्चात् रंग बिरंगी गुब्बारे आसमान में छोड़ने के लिए उद्योग विभाग को दायित्व दिए गए हैं। मुख्य अतिथि का परेड निरीक्षण के लिए वाहन व्यवस्था हेतु पुलिस विभाग को, मुख्यमंत्री का संदेश वाचन के लिए पुस्तिका की व्यवस्था के लिए जनसंपर्क विभाग को, कार्यक्रम स्थल में उद्घोषक के लिए शिक्षा, पर्यावरण एवं आदिवासी विकास विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। प्रमुख चौक-चौराहों पर देशभक्ति गीत-संगीत के प्रसारण के लिए नगर निगम दुर्ग-भिलाई को, कार्यक्रम का विडियो एवं फोटोग्राफी के लिए जनसंपर्क विभाग एवं खनिज विभाग को जिम्मेदारी दी गई है। प्रथम बटालियन ग्राउण्ड में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण की व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक दुर्ग और लोक निर्माण विभाग को दी गई है।

14 जनवरी को निर्मित मकान स्थल पर मकान की चाबी प्रदान किया जायेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में खम्हरिया एवं जुनवानी में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर मकान-मोर आस घटक के तहत निर्मित मकानो के हितग्राहियो को 14 जनवरी को निर्मित स्थल पर चयनित मकान की चाबी प्रदान की जायेगी। ऐसे हितग्राही जिनके द्वारा पूर्व में आबंटित मकान का पूरा पैसा जमा कर दिया गया है, उनको मकान सौंप दिया जायेगा।

निर्माणाधीन मकानों का निरीक्षण करने संबंधित एजेंसी एवं निगम के अभियंता के साथ आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय स्थल पर पहुंचे। निर्माण में फिटिंग एवं फिनिसिंग से संबंधित जो कमियां है, जैसे- नल की टोली, वास बेसिंग, किचन का सिंक, खिड़खी, दरवाजे में जो भी कमी है, उसे 14 जनवरी तक पूर्ण करने को निर्देशित किये। निगम क्षेत्र में पहली बार हो रहा है कि हितग्राहियो को निर्धारित स्थल पर मकान की चाबी प्रदान की जायेगी। इस संबंध में निगम भिलाई से संबंधित व्यक्तियो को सूचना दे दी गई है। फोन भी किया जा रहा है, जो भी देय राशि है, उसे जमा करने को भी कहा जा रहा है।

यूनिवर्सल रेल मिल में विभागीय सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) में 07 जनवरी 2025 को रेल उत्कृष्टता केंद्र सम्मेलन हॉल में विभागीय सुरक्षा जागरूकता सप्ताह-2025 का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी बिजय कुमार बेहरा उपस्थित थे।

बेहरा ने मुख्य महाप्रबंधक देबदत्त सत्पथी, मुख्य महाप्रबंधक इंद्रजीत सेनगुप्ता, महाप्रबंधक प्रभारी (यूआरएम) विशाल गुप्ता, महाप्रबंधक (यूआरएम) आर के मुखर्जी, महाप्रबंधक (यूआरएम)शिशिर शुक्ला, महाप्रबंधक (यूआरएम) इलियास अहमद की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को सामूहिक रूप से सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

बिजय कुमार बेहरा ने अपने संबोधन में विभागीय सुरक्षा जागरूकता सप्ताह-2025 के आयोजन के लिए यूआरएम समूह को बधाई दी और कहा कि सुरक्षा केवल कार्यस्थल तक सीमित प्रोटोकॉल नहीं है, बल्कि यह स्वयं और अपने सहकर्मियों की सुरक्षा के लिए एक प्रतिबद्धता है। श्री बेहरा ने वहाँ उपस्थित सभी से विभागीय सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में भाग लेने और जीवन के सभी क्षेत्रों में सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया।

देबदत्त सत्पथी ने कहा कि संयंत्र में सुरक्षा जागरूकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हालांकि, अभी भी सुधार की गुंजाइश है। हमें परमिट टू वर्क (पीटीडब्ल्यू) और ठेकेदार सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों (कांट्रेक्टर सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम) को सुचारू रूप से लागू करने और एसओपी, एसएपी और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की रिपोर्टों पर विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें ठेका श्रमिकों की सुरक्षा पर भी विशेष जोर देने की जरूरत है। इंद्रजीत सेनगुप्ता ने कहा कि यूआरएम भिलाई इस्पात संयंत्र की एक प्रमुख शॉप है, इसलिए यूआरएम में सुरक्षा मानक भी त्रुटिहीन होने चाहिए। सुरक्षा का पालन केवल अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए ही नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इसे एक व्यवहारिक अभ्यास के रूप में अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्लांट से लेकर घर तक सुरक्षा की आदतों को अपनाएं और दूसरों को भी इसके महत्व के बारे में जागरूक करें।

आरंभ में विशाल गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया और सुरक्षा जागरूकता सप्ताह की आवश्यकता और उसके महत्व पर प्रकाश डाला। सहायक महाप्रबंधक और डीएसओ (यूआरएम) पामेंद्र सिंह ने पिछले वर्ष में यूआरएम की उपलब्धियों, सुरक्षा आंकड़ों और शॉप्स में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों पर विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। यूनिवर्सल रेल मिल के मेसर्स सरकार एंटरप्राइज के ठेका श्रमिकों द्वारा सुरक्षा जागरूकता पर एक लघु नाटक का मंचन भी किया गया और जी बी पंड्यन द्वारा एक सुरक्षा जागरूकता गीत सुनाया गया।

वरिष्ठ प्रबंधक अरविंद कुमार साहा ने कार्यक्रम का संचालन किया। महाप्रबंधक (यूआरएम) आर के मुखर्जी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

पीएम आवास योजना के हितग्राही अंशदान की राशि जमा कर अपना स्वयं का मकान शीध्र पा सकते है

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में मोर मकान-मोर आस घटक अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास का निर्माण किया गया है। जो हितग्राही वर्ष 2022-23 में आवास हेतु निगम के आवास शाखा में आवेदन जमा किये है और जिन हितग्राहियो का नाम पात्र सूची में है। वे शासन के नियमानुसार 10 प्रतिशत अंशदान की राशि जमा कर 10 जनवरी 2025 को होने वाले लाटरी में शामिल होकर अपना स्वयं का मकान पा सकते है।

इस संबंध में आज निगम के सभागार में आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने हितग्राहियो, निर्माणकर्ता एजेंसी एवं ऋण प्रदान करने वाले बैंको के अधिकारियो की बैठक लेकर उन्हे पैसा जमा करने के लिए प्रेरित किये। आज की बैठक में 50 से 90 प्रतिशत राशि जमा करने वाले हितग्राही उपस्थित हुए थे। जिन्हे आयुक्त द्वारा समझाया गया कि जो राशि प्रतिमाह आप मकान किराये के रूप में जमा कर रहे है। पूरा पैसा जमा कर देने के बाद मकान प्रदाय कर दिया जायेगा। इसके लिए बैंको से घटते क्रम में ऋष्ण प्रदान किया जा रहा है। बिना किसी विशेष पत्राचार किये, दोनो पक्षों के बीच बात-चीत, अनुबंध आदि करवाया गया।

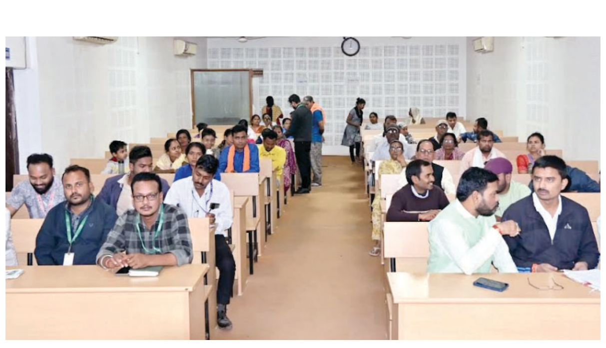

कल दोपहर को 2 बजे से निगम सभागार में 40 से 60 प्रतिशत राशि जमा कर चुके हितग्राहियो की बैठक होगी। वह भी आकर अपने अनुसार लोन लेकर मकान प्राप्त कर सकते है। जो व्यक्ति पूरा पैसा जमा कर देगा, उसे आबंटित मकान का कब्जा पत्र एवं मकान की चाबी 14 जनवरी को प्रदान कर दी जायेगी। यह सुविधा सभी हितग्राहियो के लिए उपलब्ध है। बैठक के दौरान कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, अभियंता दीपक देवांगन, सी.एल.टी.सी. से उत्पल शर्मा, आदित्य ठाकुर, प्रभारी योजना अधिकारी विद्यायाधर देवांगन, निर्माणाधीन एजेंसी के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। जो भी मकान संबंधी हितग्राहियो द्वारा समस्या बताई गई उसे निराकरण करने के लिए आयुक्त ने एजेंसी को निर्देशित किया।

बीएसपी द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के लौह अयस्क खदान समूह, राजहरा के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा 07 जनवरी 2025 को ग्राम कलवर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था। कलवर में आयोजित चिकित्सा शिविर में कुल 120 लोगों की जांच करके उनको दवाई का वितरण किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए इस शिविर में सामान्य जांच के अतिरिक्त शुगर, बीपी की नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

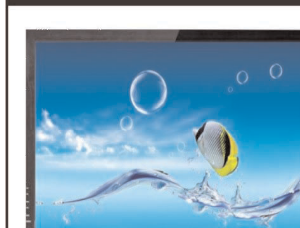

Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

रुचिर गर्ग ने दिया कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा, लौटेंगे पुनः पत्रकारिता में

रायपुर। पत्रकारिता छोड़ राजनीति में आने वाले रुचिर गर्ग फिर से पत्रकारिता में लौटने वाले है। उन्होंने अपना इस्तीफा पार्टी अध्यक्ष दीपक बैज को भेज को भेजते हुए लिखा है कि विन्रमतापूर्वक आपको सूचित कर रहा हूँ कि मैं कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। दरअसल, मैं किसी भी तरह की सक्रिय अथवा निष्क्रिय राजनीति से अलग होकर एक बार फिर पत्रकारिता में ही संभावनाएं तलाशना चाहता हूँ।

जब मैंने पत्रकारिता से अवकाश लेकर राजनीति की राह पकड़ी थी तब भी मेरे लिए लक्ष्य धर्मनिरपेक्षता और संवैधानिक मूल्यों के हक में खड़े रहना था, और आज भी मेरी प्रतिबद्धता इन मूल्यों के प्रति उतनी ही गहरी है। मैं कामना करता हूँ कांग्रेस पार्टी इस देश की महान स्वतंत्रता संग्राम से उपजे मूल्यों के साथ ही लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के प्रति हमेशा ही प्रतिबद्ध रहे।

गौरतलब है कि रुचिर गर्ग छत्तीसगढ़ के जाने-माने पत्रकारों में से एक हैं उन्होंने प्रिंट और टीवी मीडिया में सालों तक अपनी सेवाएं दी हैं । 2018 विधानसभा चुनाव के पहले उन्होंने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया था और भूपेश बघेल के साथ जुड़े रहे। 5 साल मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के तौर पर उन्होंने काम किया इस दौरान पत्रकारों की हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय सरकार ने लिए थे । जिसमें कई पत्रकारों को झूठे मामले में जेल भी भेजा गया था और कई पत्रकारों पर झूठा अपराध दर्ज भी किया गया था। वहीं पत्रकार सुरक्षा कानून का ड्राफ्ट भी उन्होंने तैयार कराया था। हालांकि कैबिनेट से मंजूरी और विधानसभा से विधेयक पास होने के बाद भी यह कानून अब तक राजभवन में ही अटका हुआ है । क्योंकि उसमें पत्रकारों के हित में कई संशोधन करने की जरूरत है ।

गोल्ड मेडल हासिल करने वाले दिव्यांग खिलाड़ी को दिया क्रिकेट कीट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने रायपुर निवासी दिव्यांग खिलाड़ी राजेंद्र गोहानी को क्रिकेट कीट प्रदान की। क्रिकेट कीट पाकर खिलाड़ी गोहानी ने प्रसन्ता जाहिर की। साथ ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कलेक्टर डॉ. सिंह का आभार व्यक्त किया। श्री गोहानी ने बताया कि कोटा में आयोजित पैरा ओलपिंक में दो सौ मीटर दौड़ प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल मिला। वहीं नेशनल गेम्स में भी उनको सौ मीटर दौड़ प्रतियोगिता में भी गोल्ड मेडल मिला है।

महिलाओं को मिली सिलाई मशीन

महासमुंद। ग्राम खरोरा में समाजसेवी डॉ. एकता लंगेह जी के मार्गदर्शन में जागरूकता कार्यक्रम व हुनर सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। जिसमें ग्राम खरोरा की महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ. एकता ने ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से सक्षम व स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी क्षमता को पहचानने और इसे विकसित करने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिलाई आजीविका का एक बहुत छोटा माध्यम है, लेकिन इससे हम स्थायी स्वरोजगार की तरफ बढ़ सकते हैं। अगर महिलाएं एकजुट और समूह के माध्यम से काम करें तो बड़े परिणाम आएंगे। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक कदम है। साथ ही आस्था वुमैन संस्था को महिलाओं को प्रशिक्षित करने हेतु सिलाई मशीन भेंट किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत की सरपंच सुनीता चंद्राकर ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं में जागरूकता की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ पाती। इस दिशा में संस्था के माध्यम से जागरूक कर महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने हेतु भरपूर प्रयास करेंगी। तारिणी चंद्राकर द्वारा शासन की विभिन्न रोजगार मूलक योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अनेक तरह की योजनाएं संचालित की जा रही है जिसका लाभ उठाएं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आस्था संस्था अध्यक्ष विपिन मोहंती, प्रतिभा गिरी, शबनम, सुनील श्रीवास्तव व बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित थी।

डॉ. रमन सिंह ने लखपति दीदी दिव्या निषाद को सम्मानित किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान आज 6 जनवरी 2025 को दिग्विजय कालेज के सामने आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित एट होम रिसेप्शन में शामिल होने के लिए चयनित राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम कुसमी की लखपति दीदी दिव्या निषाद को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर लखपति दीदी दिव्या निषाद ने बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी और वर्ष 2021 में कोविड-19 की वजह से उनके पति की आकस्मिक मृत्यु हो गई। गरीबी की स्थिति थी और उन्हें किसी भी तरह का अनुभव और ज्ञान नहीं था। पति की आकस्मिक मृत्यु के दुख ने परिवार को अंदर तक झकझोर दिया। ऐसे समय में अपने परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए तथा अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए समूह की दीदीयों से मुझे हिम्मत मिली और मैंने कुछ कार्य करने का निर्णय लिया।

दिव्या निषाद ने बताया कि बैंक सखी, बैंक मित्र, पुस्तक लिखने का कार्य, समूह के अध्यक्ष एवं सचिव के कार्य तथा छोटे व्यापार प्रारंभ करने का कार्य सीखने लगी। उन्होंने बताया कि वह जय मां अम्बे स्वसहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह में कार्य करने के दौरान आत्मविश्वास बढ़ा और समूह के माध्यम से ऋण लेकर छोटा सा व्यापार प्रारंभ किया। बैंक सखी, बैंक मित्र के अलावा उनकी ग्राम भर्रेगांव में साड़ी एवं बच्चों के रेडिमेड कपड़ों की दुकान है। उन्होंने बताया कि समूह से ऋण लेकर ही उन्होंने अपने घर में ही किराने की दुकान भी प्रारंभ की है। अब उन्होंने अपना पक्के का मकान बना लिया है। आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़ते हुए सिलाई एवं अन्य कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि बैंक मित्र के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में पेंशन के लेनदेन ट्रांजेक्शन का कार्य करती हैं। बैंक मित्र के रूप में मनरेगा के श्रमिकों को उनके घर जाकर राशि प्रदान करती हैं तथा उन्हें वित्तीय साक्षरता के संबंध में जानकारी प्रदान करती हैं। बैंक मित्र के तौर पर समूह को ऋण दिलाने के लिए, बैंक खाता खुलवाने तथा अन्य कार्य भी करती हैं। उनकी प्रतिदिन की आय लगभग 1100 रूपए है तथा माह में 33 हजार रूपए की आय हो जाती है। उन्होंने कहा कि वे अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाना चाहती है और अपने दुकान का विस्तार करना चाहती है।

उल्लेखनीय है कि 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में आयोजित एट होम रिसेप्शन के लिए देश भर से 10 लखपति दीदीयों का चयन किया गया है। जिसमें से राजनांदगांव जिले से लखपति दीदी दिव्या निषाद का चयन किया गया है। केन्द्र शासन की लखपति दीदी योजना महत्वपूर्ण पहल है। जिसके तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए कार्य किया जा रहा है।

वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य : सोनमणि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के वन अधिकार अधिनियम 2006 के बेहतर क्रियान्वयन विषय पर सोमवार को रायपुर में एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य वन अधिकार अधिनियम 2006 के बेहतर क्रियान्वयन में देश में एक अग्रणी राज्य है।

कार्यशाला एक शुरुआत है इस कार्यशाला के माध्यम से वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में मैदानी स्तर पर आ रही परेशानियों को दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वन अधिकार अधिनियम एवं पेसा एक्ट के बेहतर क्रियान्वयन हेतु एक टॉस्क फोर्स के गठन का प्रस्ताव विचाराधीन है इसके माध्यम से ऐक्ट के प्रावधानों को बेहतर ढंग से लागू किया जा सकेगा। प्रमुख सचिव बोरा ने कहा कि राज्य में अब तक 4 लाख 79 हजार 502 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र तथा 4377 सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र वितरित किए गए हैं। इसके अलावा सामुदायिक वन संसाधन अधिकार मान्य ग्राम सभाओं में सामुदायिक वन संसाधनों के प्रबंधन हेतु सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति के गठन की कार्यवाही की जा रही है। अब तक 2081 सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समितियों का गठन किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से अब व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र धारकों की मृत्यु होने पर वारिसानों के नाम पर काबिज भूमि का नामांतरण एवं अन्य प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया गया है। अब तक नामांतरण, सीमांकन और त्रुटि सुधार से संबंधित 881 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। इससे वंशानुगत रूप से वन भूमि के हस्तांतरण में आ रही कठिनाई को दूर करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में वन अधिकार के बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में अनेक बिंदुओं पर चर्चा की गई जिनमें मुख्य रूप से वन अधिकारों का डिजिटलाईजेशन एवं ऑनलाइन प्रक्रियाकरण, वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में एफआरए सेल की भूमिका, सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन व्यवस्था का क्रियान्वयन एवं स्टेकहोल्डरर्स की भूमिका, वन अधिकार पत्र धारकों का अभिसरण के माध्यम से आजीविका संवर्धन, ग्राम सभाओं तथा समितियां के क्षमता विकास के माध्यम से सशक्तिकरण आदि प्रमुख हैं। कार्यशाला में इन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा से प्राप्त सुझावों से वन अधिकार अधिनियम के और बेहतर क्रियान्वयन में यह कार्यशाला मील का पत्थर साबित होगी।

प्रमुख सचिव ने कहा कि कि वन अधिकार अधिनियम अंतर्गत वन अधिकारों की मान्यता, वनों का प्रबंधन एवं संरक्षण तथा अभिसरण के माध्यम से आजीविका संवर्धन आदि संपूर्ण कार्यों के बेहतर कियान्वयन हेतु संबंधित शासकीय विभागों तथा अशासकीय संस्थानों की सतत् भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में वन अधिकार अधिनियम का उचित क्रियान्वयन एक महत्वपूर्ण चरण होगा।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए आदिम जाति विभाग के आयुक्त पी.एस.एल्मा द्वारा वन अधिकार अधिनियम के बेहतर क्रियान्वयन हेतु राजस्व, वन, आदिम जाति तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समस्याओं को दूर करने पर बल दिया। एटीआरईई संस्था से शरद लेले ने कहा कि सामुदायिक वन संसाधन अधिकार देने में छत्तीसगढ़ देश में अग्रणी राज्य बन गया है। परन्तु केवल सीएफआरआर दावें देना ही काफी नहीं है, अब हमें इसके आगे के चरण पर कर्य करने की जरूरत है।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील मिश्रा ने एफआरए के वास्तविव लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी संबंधित विभागों के एक साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। आदिवासी समता मंच की श्रीमती इंदु नेताम ने व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकार पत्र प्राप्त करने में आ रही व्यावहारिक समस्याओं को दूर करने का सुझाव दिया। मुख्य वन संरक्षक नबीद ने नवीन वन अधिकार अधिनियम में ग्राम सभाओं को दिए गए व्यापक अधिकारों का उल्लेख करते हुए वन, राजस्व एवं आदिम जाति विभाग को एक साथ मिलकर कार्य करने पर बल दिया । इस हेतु उन्होंने राजस्व विभाग, वन विभाग, आदिम जाति विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों से एक साथ मिलकर कार्य करने का आव्हान किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 02 अक्टूबर 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान अंतर्गत 17 मंत्रालयों के सहयोग से भारत सरकार की 25 योजनाओं को सुसंगत तरीके से धरातल पर उतारना है जिसमें वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन अंतर्गत मुख्य रूप से निश्चित समयावधि में वन अधिकारों की मान्यता की प्रकिया को पूर्ण किया जाना है। आदिम जाति, अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग के मुख्य तत्वाधान में यह कार्यशाला आयोजित की गई।

मि. रायपुर और मि. छग बने विद्या तांडी, छबि जूनियर छग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में मि रायपुर और मि छग बॉडी बिल्डिंग चैम्पियन शिप का आयोजन बूढ़ेश्वर मंदिर भवन में किया गया जहां मि रायपुर और मि छग का खिताब विद्या तांडी को मिला वहीं छबि जूनियर छग बने। सभी विजेता बॉडी बिल्डर को रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पुरस्कृत किया।

बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि रायपुर में यदि बॉडी बिल्डिंग को कोई जीवित रखा है तो सचिव मानिक ताम्रकार का योगदान जाता है। विशेष अतिथि शिव मोहन शुक्ला और संजय शर्मा अंतरराष्ट्रीय निर्णायक, जिला जिम एसोसिएशन के पोषण बांधे एवं प्रोटीन विला के मालिक दुर्गेश साहू ने मि रायपुर और मि छग बने रायपुर के विद्या तांडी मि जूनियर छग का खिताब छबि लाल निषाद और बेस्ट पोजर भगवती प्रसाद ध्रुव बने।

इसी प्रकार मेंस फिजिक स्पोर्ट्स रायपुर भरत मंडावी और मेंस फिजिक स्पोर्ट्स छग अजित कंसकार बने मि रायपुर के परिणाम 50 किलो में मिथलेश कुमार शुभम साहू चैतन्य दीप 55 किलो में परमानंद तांडी सूर्या क्षत्रिय अजित कांसकर 60 किलो में विद्या तांडी ललित तांडी अक्षय सोनकर 65 किलो में रक्षित पाण्डेय प्रवीण द्विवेदी सौरभ तांडी 70 किलो में भगवती प्रसाद ध्रुव मेहताब आलम रवि नायक 70 किलो से ऊपर दीनू गेंदरे राहुल बाघ राहुल दीवान मेंस फिजिक स्पोर्ट्स में 1छोटू बाघ 2 रवि ठाकुर 3 मेहताब आलम 4 मोहन कुमार 5 अजित कांसकर जूनियर छग में 55 किलो में अजीत कांसकर प्रथम द्वितीय झाम लाल 55 किलो से ऊपर में छवि लाल निषाद प्रथम अमित कुमार बरेठ द्वितीय विशाल पटेल तृतीय मि छग के परिणाम 55 किलो में अजीत कांसकर सूर्या क्षत्रिय राहुल कुमार 60 किलो में विद्या तांडी सौरभ तांडी विशाल पटेल 60किलो से ऊपर भगवती प्रसाद वीर सिंह मेहताब आलम मास्टर छग में प्रवीण कुमार मुरली वैष्णव संजय निषाद मास्टर रायपुर में प्रथम प्रवीण कुमार द्वितीय प्रशांत सिंह मि दिव्यांग अश्वन सोनवानी प्रथम सुभाष द्वितीय वेदप्रकाश तृतीय छग़ महिला वर्ग में अंशु देवी प्रथम रही।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने किया जांच व उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी डंगनिया औषधालय में नि:शुल्क दंत एवं ईएनटी (कान, नाक एवं गला) परीक्षण शिविर रायपुर नेत्र चिकित्सालय एवं डॉ. मिश्रा हॉस्पिटल के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल.पंचारी, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. इंदु साहू, डॉ. निलेश सिंह एवं चिकित्साधिकारी डॉ. श्वेता जैन उपस्थित थे।

शिविर में दंत विशेषज्ञ डॉ. अबीर मिश्र एवं ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुरभि मिश्र ने लगभग 90 लोगों का परीक्षण किया। पॉवर कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए इस शिविर में दंत तथा कान,नाक,गला की बीमारियों के संबंध में जागरूकता लाने की पहल की गई। डॉ. अबीर मिश्र ने नियमित दाँत जाँच और सक्रिय मौखिक स्वास्थ्य देखभाल की महत्ता पर जोर दिया। नई तकनीक से होने वाले उपचारों के विषय में भी लोगों को जागरूक किया गया। इसी प्रकार डॉ. सुरभि ने कान, नाक, गला की बीमारियों की नई प्रवृत्तियों और रोकथाम के उपायों के संबंध में चर्चा की। पॉवर कंपनी में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य योजना के तहत सीजीएचएस रेट पर विभिन्न दंत एवं ईएनटी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध है जिसके तहत पात्र मरीज एवं परिजन इस सुलभ चिकित्सा सुविधाए का लाभ ले सकते है।

डोली लेके आजा के निर्माता का बड़ा फैसला, फिल्म के कमाई से बनवाएंगे अस्पताल

रायपुर। पहली बार ऐसा होगा जब फिल्म के कमाई से अस्पताल खुलेगा जिसमें गरीब परिवारों का इलाज आधे दाम पर होगा। इसकी घोषणा छत्तीसगढ़ी फिल्म डोली लेके आजा के ट्रेलर लॉन्च के अवसर पर निर्माता व समाजसेवी महेन्द्र महेश्वर की। यह फिल्म 17 जनवरी को रिलीज होगी।

बहुचर्चित गाना दबा बल्लू...फेम किशन सेन के गांव में फिल्म की शूटिंग की गइ है और रविवार को राजश्री म्यूजिक और महेन्द्र फिल्मस प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म क ट्रेलर लॉन्च किया गया। इस अवसर पर निर्माता महेन्द्र महेश्वर ने घोषणा करते हुए कहा कि इस फिल्म से होने वाली इनकम से वे गरीबों के लिए अस्पताल बनवाएंगे जहां आर्थिक रूप से कमजोर लोगों का इलाज आधे दाम पर किया जाएगा। उन्होंने किशन सेन के गांव में बोरवेल एवं पानी टंकी का निर्माण भी करवाया क्योंकि वहां के लोगों इसकी जरुरत महसूस की जा रही थी।

बैंकिंग सेक्टर में ग्राहक सुविधा सर्वोपरी : कांडे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अपेक्स बैंक द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी प्रशिक्षण संस्थान पंडरी रायपुर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आज से शुरू हो गया है। प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ कोआपरेटिव्ह व अपेक्स बैंक के ज्वाइंट कमिश्नर व प्रबंध संचालक के एन कान्डे ने किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर व अपेक्स बैंक के डीजीएम भूपेश चंद्रवंशी तथा डिप्टी डायरेक्टर व प्रबंधक ए के लहरे उपस्थित थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक के एन कान्डे ने नवनियुक्त सहायक प्रबंधको, सामान्य सहायको तथा कार्यालय सहायकों को संबोधित करते हुए कहा कि बैंकिंग सेक्टर में ग्राहक सुविधा सर्वोपरी है। छत्तीसगढ़ के किसान सीधे कोआपरेटिव्ह बैंकों तथा पैक्स सोसाइटियों से जुड़े है। किसानों की खेतीगत ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति कोआपरेटिव्ह बैंको से होती है। कोआपरेटिव्ह बैंको से खरीफ तथा रबी फसलों के अलावा डेयरी, मत्स्य, लाख पालन तथा उद्यानिकी लिए ब्याज मुक्त कृषि ऋण दिया जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पहल पर छत्तीसगढ़ में 'सहकार से समृद्धि' की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में नवगठित पैक्स सोसाइटी, डेयरी तथा मत्स्य सोसाइटियों का पंजीयन किया जा चुका है। यह समय धान खरीदी का है। किसानों को धान खरीदी की राशि का आनलाइन भुगतान हमारे बैंकों से होता है। किसानों को भुगतान में किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए साथ ही बैंक के हितग्राहियों व किसानों से यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए।

अपेक्स बैंक के डीजीएम व प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर भूपेश चंद्रवंशी ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रशिक्षण में रिजर्व बैंक तथा नाबार्ड के मापदंडों के अनुरूप सामान्य बैंकिंग कार्य व्यवहार, डिपाजिट अकाउंट, लोन अकाउंट, केवाईसी, कोर बैंकिंग, एटीएम का परिचालन तथा एनईएफटी व आरटीजीएस व आधुनिक बैंकिंग टेक्नालाजी के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही बैंक सेवा नियम के तहत नवनियुक्त एम्प्लाइज के पद के अनुरूप कर्तव्यों तथा दायित्वों के बारे में अवगत कराया जाएगा। इस अवसर पर अपेक्स बैंक के एजीएम एल के चौधरी, एजीएम व अपेक्स बैंक पंडरी के शाखा प्रबंधक अजय भगत, प्रशिक्षण संस्थान के उप निदेशक व प्रबंधक ए के लहरे, लेखा अधिकारी प्रभाकर कांत यादव व प्रतिभागीगण उपस्थित थे।

बंदिश बैंडिट्स की अभिनेत्री श्रेया ने कहा, नसीरुद्दीन शाह की प्रतिक्रिया मेरे लिए बड़ा पुरस्कार

बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 के प्रमुख किरदारों में से एक अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने कहा कि दिग्गज स्टार नसीरुद्दीन शाह की प्रतिक्रिया और उनके प्रदर्शन की प्रशंसा उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। पंडित जी का किरदार निभाने वाले नसीरुद्दीन शाह के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए श्रेया ने कहा, नसीरुद्दीन सर मेरी प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत हैं। मैंने सीजन एक में उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैं भाग्यशाली थी कि मुझे उन्हें देखने और उनके साथ काम करने का मौका मिला।

अभिनेत्री ने कहा, सीजन 2 देखने के बाद सर से संदेश मिलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। प्रदर्शन के लिए उनकी प्रतिक्रिया और प्रशंसा मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। यह बहुत संतुष्टिदायक और आश्वस्त करने वाला है, और मुझे यह एहसास दिलाता है कि एक कलाकार के तौर पर मैं तैयार हो रही हूं।

म्यूजिक सीरीज बंदिश बैंडिट्स में नए कलाकार ऋत्विक भौमिक ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार राधे राठौड़ की भूमिका निभाई है और श्रेया चौधरी इसमें पॉप गायिका तमन्ना शर्मा की भूमिका निभा रही हैं। इसमें संगीत एक अनुशासन बनाम मुक्ति का साधन होने की बहस की पड़ताल करता है। इस सीरीज में अर्जुन रामपाल, शीबा चड्ढा और अतुल कुलकर्णी जैसे कई अन्य नाम भी शामिल हैं। उन्होंने फिल्म निर्माता इम्तियाज अली को यह विश्वास दिलाने का श्रेय दिया था कि वह एक कलाकार बन सकती हैं।

इम्तियाज अली की लघु फिल्म द अदर वे में श्रेया ने कहा, इम्तियाज सर ने मुझे विश्वास दिलाया कि मैं एक कलाकार बन सकती हूं, और उनके साथ काम करने से मेरा यह सपना और मजबूत हुआ। अब मैं बड़ा सपना देख सकती हूं और इस पेशे को अपना सकती हूं। उन्होंने कहा, मैं इम्तियाज सर के साथ काम करने के अनुभव को हमेशा संजो कर रखूंगी, क्योंकि उनके साथ काम करते हुए मैंने जो कुछ सीखा है, वह वाकई खास है।

मैं बस अपनी उंगलियां क्रॉस करके इंतजार कर रही हूं कि मैं अपनी जिंदगी में एक बार इम्तियाज अली की हीरोइन बनूं।

श्रेया 2025 में अभिनेता बोमन ईरानी की बहुप्रतीक्षित निर्देशन वाली पहली फिल्म द मेहता बॉयज में अविनाश तिवारी के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म एक पिता-पुत्र की जोड़ी की कहानी है।

इंस्टाग्राम अकाउंट हैक होने पर चाहत खन्ना ने दी प्रतिक्रिया, कहा- यह चौंकाने वाला था

टेलीविजन अभिनेत्री चाहत खन्ना ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के हैक होने के बारे में बात की। बड़े अच्छे लगते हैं में काम कर मशहूर हुई अभिनेत्री ने बताया कि अकाउंट हैक होना और फॉलोअर्स का तेजी से घटना उनके लिए काफी चौंकाने वाला रहा। काफी प्रयास और सुरक्षा प्रोटोकॉल की मदद से खन्ना का अकाउंट रिकवर हो चुका है। हालांकि, हैक के बाद लगभग 2.5 मिलियन फॉलोअर्स उन्हें अनफॉलो कर चुके हैं।

अभिनेत्री ने कहा, यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला था। सब कुछ ठीक रखने और जांच करने के बावजूद, हैकर्स किसी तरह मेरे अकाउंट तक पहुंच गए। मेटा टीम ने जल्द से जल्द मेरा अकाउंट रिकवर करने में मदद की। हालांकि, मुझे इस सब के बीच लगभग 2.5 मिलियन फॉलोअर्स की गिरावट दिखी और यह काफी अजीब रहा। हैकिंग तुर्की में होने का संदेह है।

चाहत खन्ना के इंस्टाग्राम पर 3.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। अभिनेत्री ने मेटा टीम को धन्यवाद देते हुए आगे लिखा, जल्द से जल्द मेरे अकाउंट तक पहुंच वापस पाने में मेरी मदद करने के लिए मेटा की टीम का शुक्रिया। उम्मीद है कि अब सब ठीक रहेगा। बता दें कि यह कोई पहली बार नहीं है जब अभिनेत्री साइबर क्राइम का शिकार हुई हैं। इससे पहले साल 2020 में चाहत खन्ना साइबर क्राइम का शिकार हो गई थीं। उनके सोशल मीडिया अकाउंट को एक पुराने दोस्त ने हैक कर लिया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि हैकिंग के लिए जिम्मेदार व्यक्ति उनका पूर्व मित्र था, जिसके साथ उनका झगड़ा हो गया था। चाहत ने घटना के संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पिछले महीने, खन्ना ने दुबई में अपने ब्वॉयफ्रेंड रोहन गंडोत्रा के साथ छुट्टियां मनाते हुए अपनी तस्वीरें शेयर करके सुर्खियां बटोरी थी। हालांकि चाहत ने रोहन के साथ अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन साथ में उनका लगातार छुट्टियां मनाना और सार्वजनिक रूप से दिखना इस बात का संकेत है कि वे रिलेशनशिप में हैं।

चाहत खन्ना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री ने टीवी शो हीरो-भक्ति ही शक्ति है से अपनी अभिनय की शुरुआत की थी। उन्होंने कई लोकप्रिय शो में काम किया है, जिनमें कुमकुम-एक प्यारा सा बंधन, काजल, बड़े अच्छे लगते हैं, कुबूल है के साथ अन्य शोज के नाम शामिल हैं।

टेलीविजन के अलावा चाहत कई विज्ञापनों और फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म यात्री में भी काम कर चुकी हैं।

साड़ी में कयामत ढाती दिखीं साक्षी मलिक, एक्ट्रेस ने कातिलाना अदाओं से इंटरनेट पर लूटी लाइमलाइट

एक्ट्रेस साक्षी मलिक हमेशा अपने लेटेस्ट ट्रेंडी फैशन स्टेटमेंट्स के कारण यंग लड़कियों को इंस्पायर करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और वीडियोड इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ही ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस साक्षी मलिक आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस साक्षी मलिक की फोटोज इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने व्हाइट कलर की बेहद ही स्टाइलिश साड़ी पहना हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस साक्षी मलिक ने अपने इस आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है।

बता दें कि इंडियन हो या फिर वेस्टर्न आउटफिट एक्ट्रेस अपने हर एक लुक में फैंस के बीच कहर ढाती हैं। उनका हर एक अंदाज लोगों के बीच आते ही छा जाता है। एक्ट्रेस साक्षी मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

बर्थडे पर फैंस को बिग सरप्राइज देंगे केजीएफ स्टार यश, फिल्म टॉक्सिक से छोड़ा नया डैशिंग पोस्टर

रॉकिंग स्टारर यश ने अपनी अगली मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक की तैयारी में जुट गए हैं। यश ने अपनी केजीएफ फ्रेंचाइजी से वर्ल्डवाइड खूब पॉपुलैरिटी बटोर ली है। इसके बाद से यश के फैंस को उनकी अगली फिल्म टॉक्सिक का बेसब्री से इंतजार है। यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक आगामी महीनों में ही रिलीज होने जा रही है।

बीते साल फिल्म टॉक्सिक का एलान किया गया था और फिल्म से एक टीजर छोड़ा गया था। इसके बाद से यश के फैंस को फिल्म टॉक्सिक की अगली अपडेट का इंतजार है, जो अब बहुत जल्द फैंस को तोहफा मिलने जा रहा है। यश ने आज 6 जनवरी को अपनी फैंस को फिल्म टॉक्सिक से नया सरप्राइजिंग अपडेट दिया है। वहीं, यश 8 जनवरी को अपने 39वें बर्थडे पर फैंस को बड़ा सरप्राइज देंगे।

यश ने अपनी फिल्म टॉक्सिक से नए अपडेट में नई तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह एक विंटेज कार के पास टॉपी लगाए स्मोकिंग करते दिख रहे हैं। इस पोस्टर में यश का लुक देखते ही बन रहा है। इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, उसे मुक्त कर रहा हूं।।। बस इस यश ने अपने फैंस के लिए यही सरप्राइज छोड़ा है और कहा है 8 जनवरी की सुबह 10 ।25 पर मिलते हैं।

टॉक्सिक एक एक्शन एडवेंचर फिल्म है, जिसमें यश अलग ही अवतार में नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन महिला फिल्म निर्देशक गीतू मोहनदास कर रही हैं। फिल्म केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही है। फिल्म में रिपोर्ट्स की मानें तो, फिल्म में करीना कपूर, साई पल्लवी, नयनतारा और नवाजुद्दीन सिद्दीक भी नजर आ सकते हैं, लेकन मेकर्स की ओर से अभी यश के अलावा फिल्म की बाकी स्टारकास्ट के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। बता दें, फिल्म टॉक्सिक 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होने जा रही है।

मौनी रॉय की ग्लैमरस तस्वीरों ने इंटरनेट पर मचाया धमाल, फैंस और सितारों ने लुटाया प्यार

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय सोशल मीडिया लवर हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

टीवी और बॉलीवुड की लोकप्रिय अदाकारा मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। मौनी ने अपने ग्लैमरस अवतार में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी ब्लैक एंड वाइट प्रिंटेड को-ऑर्ड सेट में नजर आ रही हैं और उनका आत्मविश्वास और स्टाइल हर किसी का ध्यान खींच रहा है। एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी अदाओं से बोल्डनेस का तड़का फैंस के बीच लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं।

एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी हर अदाओं पर अपना दिल हार जाते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस मौनी रॉय अपनी हर अदाओं से सोशल मीडिया का पारा गर्म करने लगती हैं। उनका स्टनिंग अवतार सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। मौनी ने इन तस्वीरों के साथ मजेदार कैप्शन लिखा, समस्या का हिस्सा क्यों बनें; पूरी समस्या बनें। उनके इस अंदाज पर फैंस और सेलेब्रिटी जमकर प्यार बरसा रहे हैं। दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया और मृणाल ठाकुर जैसे सितारों ने कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजी के साथ उनकी तारीफ की है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न मौनी रॉय का हर अंदाज काफी शानदार होता है। उनके हर एक स्टाइल को फैंस काफी ज्यादा फॉलो करते हैं।

सर्दी में कितने घंटे सोना चाहिए जानिए ठंड में क्यों आती है ज्यादा नींद!

ऑफिस हो या फिर घर सर्दियों में हर जगह लोगों को नींद बहुत आती है। सर्दियों में दिन छोटे होते हैं और रातें लंबी होती है। इसके बाद भी ऐसा लगता है कि नींद पूरी नहीं हुई है। क्या आपको पता है सर्दी में कितने घंटे सोना चाहिए या फिर ठंड में क्यों ज्यादा नींद आती है महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेंज के साइकेट्रिस्ट डॉ। हर्षल साठे बताते हैं गर्मी के दिनों की तुलना में ठंड में लोग डेढ़ से दो घंटे अधिक सोते हैं। दिन का उजाला और रात का अंधेरा नींद के पैटर्न को प्रभावित करते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में।

हार्मोनल बदलाव की वजह से आती है नींद

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक जब हम प्रकाश के संपर्क में आते हैं तो ब्रेन का खास एरिया एक्टिव होता है। इससे मेलाटोनिन हार्मोन और शरीर के टेंपरेचर को कंट्रोल होता है। हमारा शरीर मेलाटोनिन नाम का एक स्लीप हार्मोन बनाता है। जब सूर्यास्त होता है और अंधेरा धीरे-धीरे बढ़ने लगता है तो मेलाटोनिन का लेवल बढ़ने लगता है। इसका मतलब होता है कि अब सोने का समय हो गया है। सुबह में जब सूर्य की रोशनी बढ़ने लगती है तो मेलाटोनिन लेवल भी घटने लगता है। यह सिग्नल होता है कि अब उठने का समय हो गया है।

तापमान में बदलाव भी जिम्मेदार

सर्दियों में तापमान कम होता है इसलिए नींद अधिक आती है जइसका कारण यह है कि गर्मियों में हमारा ब्रेन ज्यादा एक्टिव रहता है जबकि ठंड के दिनों में ब्रेन कम एक्टिव रहता है। इससे नींद पर असर पड़ता है। ब्रेन के कम एक्टिव रहने पर न्यूरो ट्रांसमीटर्स की सक्रियता भी घट जाती है।

सर्दी में कितने घंटे सोना चाहिए

गर्मियों में लोग एवरेज 6-7 घंटे सोते हैं लेकिन ठंड के दिनों में लोग 2 से 2.5 घंटे ज्यादा सोते हैं। सर्दियों में शरीर को हेल्दी रखने के लिए एक वयस्क व्यक्ति को सर्दी के मौसम में 7-10 घंटे की नींद लेना चाहिए।

सर्दियों में क्यों होता है मूड स्वींग

रिपोर्ट के मुताबिक ठंड के दिनों में सूर्य की रोशनी कम होने से शरीर के इंटरनल बॉडी क्लॉक पर निगेटिव असर पड़ता है। सूर्य की रोशनी कम होने से सेरोटोनिन लेवल भी घट जाता है। सेरोटोनिन एक तरह का न्यूरोट्रांसमीटर है जिसके घटने-बढ़ने से हमारा मूड बदलता है।

विटामिन डी और फिजिकल एक्टिविटी कम होना

सूरज की रोशनी से विटामिन-डी बनता है। विटामिन-डी एनर्जी के लेवल को बनाए रखने में मदद करता है। सर्दियों में सूरज की रोशनी कम मिलने के कारण विटामिन-डी की कमी हो सकती है, जिससे थकान और नींद आती है। सर्दियों में लोग कम बाहर निकलते हैं और फिजिकल एक्टिविटीज भी कम करते हैं। इससे शरीर कम थकता है और नींद ज्यादा आती है।

सुपरफूड से कम नहीं काली गाजर, सर्दियों में खाने से मिलेंगे फायदे

सर्दियों में आने वाली काली गाजर को देसी गाजर भी कहा जाता है। यह नुट्रिएंट्स से भरपूर होती है। आइए जानें इसे खाने के फायदे। काली गाजर सर्दियों का सुपरफूड है, जो आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करने के साथ-साथ वजन घटाने और त्वचा को ग्लोइंग बनाने में मदद करता है।

काली गाजर के पोषक तत्व

काली गाजर में फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, आयरन और एंथोसायनिन जैसे कई पोषक तत्व होते हैं। इसके सेवन से न केवल इम्यूनिटी मजबूत होती है बल्कि यह डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बेहतर बनाती है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

काली गाजर में विटामिन ए और बीटा-कैरोटीन की भरपूर मात्रा होती है, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मदद करता है। यह रेटिना को हेल्दी बनाए रखता है और रतौंधी जैसी समस्याओं से बचाव करता है।

इम्यूनिटी को करे मजबूत

काली गाजर में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। इसे सर्दियों में खाने से सर्दी-जुकाम जैसी आम समस्याएं दूर रहती हैं।

पाचन को बनाए बेहतर

काली गाजर में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त करता है। यह कब्ज, गैस और पेट से जुड़ी अन्य समस्याओं को दूर करने में मददगार है।

ब्लड प्रेशर को करे कंट्रोल

काली गाजर में पोटैशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह दिल को स्वस्थ रखने के लिए भी

फायदेमंद है।

वजन घटाने में सहायक

काली गाजर कम कैलोरी और अधिक फाइबर युक्त होती है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। यह वजन घटाने वालों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है।

स्किन को बनाए ग्लोइंग

काली गाजर में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी होते हैं, जो त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं और झुर्रियों को कम करते हैं। इसके सेवन से त्वचा चमकदार और स्वस्थ रहती है।

कैंसर से बचाव

काली गाजर में एंथोसायनिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद करता है। यह शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करके कैंसर से बचाव करता है।

डायबिटीज में लाभकारी

काली गाजर का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने में मदद करता है। डायबिटीज के मरीज इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

तीन पहाड़ियों के बीच स्थित खुड़िया जलाशय प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन का अद्भुत केंद्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले का राजीव गांधी जलाशय, जिसे खुड़िया जलाशय भी कहा जाता है, पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। तीन प्राकृतिक पहाड़ियों के मध्य मनियारी नदी पर निर्मित यह जलाशय अपनी प्राकृतिक सुंदरता और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। नववर्ष के अवसर पर हजारों की संख्या में सैलानियों ने यहां पहुंचकर इसकी प्राकृतिक छटा का आनंद लिया।

यह जलाशय न केवल एक पर्यटन स्थल है, बल्कि इसका ऐतिहासिक और कृषि महत्व भी है। इसका निर्माण अंग्रेजी शासनकाल में 1927 में कृषि के उद्देश्य से शुरू हुआ था और 1930 में इसे पूरा किया गया। इसका नाम बाद में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर रखा गया। यह जलाशय आज भी स्थानीय किसानों के लिए एक मुख्य जल स्रोत है, जिससे वे अपनी कृषि भूमि की सिंचाई करते हैं।

राजीव गांधी जलाशय के आसपास कई और पर्यटन स्थल हैं जो सैलानियों के अनुभव को और खास बना देते हैं। इनमें डोंगरीदेवी मंदिर प्रमुख है, जो धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, पहाड़ियों और हरियाली से घिरा वातावरण ट्रेकिंग और पिकनिक के लिए भी आदर्श है। इस वर्ष नए साल के मौके पर हजारों पर्यटक राजीव गांधी जलाशय पहुंचे। जलाशय के साफ और शांत वातावरण, नाव की सवारी, और प्राकृतिक दृश्यों ने सभी को मोहित किया। पर्यटकों ने इस क्षेत्र की स्वच्छता और व्यवस्था की प्रशंसा की।

मुंगेली जिला अब पर्यटकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है। राजीव गांधी जलाशय जैसे स्थानों की बढ़ती लोकप्रियता स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। जिला प्रशासन द्वारा भी इस क्षेत्र को और अधिक विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। राजीव गांधी जलाशय न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए एक आदर्श स्थल है, बल्कि इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर को भी समेटे हुए है। यह स्थल छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाओं का प्रतीक है।

नाव की सवारी यहां का मुख्य आकर्षण

राजीव गांधी जलाशय की विशेषता इसकी विशालता और चारों ओर फैली हरियाली है। पहाड़ियों से घिरा यह स्थल दूर से किसी समुद्र का आभास कराता है। सैलानियों के लिए नाव की सवारी यहां का मुख्य आकर्षण है, जहां वे पानी के बीचों-बीच प्रकृति की गोद में समय बिता सकते हैं। वर्षा के मौसम में जलाशय और भी खूबसूरत हो जाता है, जब पहाड़ियों से गिरते जलप्रवाह और हरियाली का नजारा पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

पात्र हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा देने के लिए आवेदन प्राक्रिया में लाएं तेजी - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, भू अभिलेख सुधार, अभिलेख शुद्धता, नक्शा बटांकन, व्यपवर्तन, खाता विभाजन, अभिलेख डिजिटलीकरण एवं अन्य राजस्व संबंधित लंबित प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व में लंबित प्रकरणों का निराकरण भी प्राथमिकता से करने को कहा। उन्होंने अविवादित नामांतरण के प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। सीमांकन के प्रकरणों को भी गंभीरता से लेने के लिए कहा है। इसके साथ ही आधार प्रविष्टि के कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा देने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विकासखण्डों में शिविर लगाकर भू-अर्जन के प्रकरणों के तहत् पात्र हितग्राहियों को मुवाजा राशि का वितरण भी प्राथमिकता से करने के लिए कहा है।

कलेक्टर ने अभिलेख शुद्धता, डिजिटल हस्ताक्षर, नक्शा अद्यतीकरण के कार्यो को भी सभी एसडीएम को प्राथमिकता से करने के लिए कहा है।

उन्होंने सभी एसडीएम को स्कूली बच्चों के लिए जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय कर शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए। साथ ही अपार आई.डी बनाने के लिए कई प्रकरणों में जन्म प्रमाण-पत्र की आवश्यकता को देखते हुए एसडीएम अपने-अपने अनुविभाग अंतर्गत समस्त शैक्षणिक संकुलों में तिथिवार जन्म प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन करते हुये यथाशीघ्र जन्म प्रमाण पत्र जारी करने को कहा गया है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू एसडीएम ओंकार यादव, आकांक्षा त्रिपाठी, आर.एस.लाल सहित सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

पंचमंदिर आंगनबाड़ी के पोषण वाटिका से मिल रहा बच्चों को पौष्टिक आहार, हो रहा शारीरिक और मानसिक विकास

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। सूरजपुर जनपद अन्तर्गत पंच मंदिर आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अनिता ठाकुर एवं सहयोगियों द्वारा उन्नत रूप में पोषण वाटिका का विकास किया गया है। इस पोषण वाटिका में विभिन्न प्रकार की सब्जियां आलू , लालभाजी, पालक भाजी, मूली, धनिया, लहसुन, गोभी, सरसों, बैंगन, मसूर आदि का उत्पादन किया जा रहा है। इस पोषण वाटिका से प्रतिदिन बच्चों और महिलाओं को न केवल ताजी बल्कि पौष्टिकता से भरपूर सब्जियां मिल रही हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुश्री अनिता ने बताया कि इस आंगनबाड़ी केंद्र में उनके और उनकी पुत्री तथा सहयोगियों द्वारा पोषण वाटिका का विकास किया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र में 06 महीने से 03 वर्ष के 42 बच्चे, 03 से 06 वर्ष के 24 बच्चे, 07 गर्भवती महिलाएं और 05 शिशुवती महिलाए पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन उनके द्वारा बच्चों को सलाद, ताजी हरी सब्जी भोजन के रूप में उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि पोषण वाटिका से पौष्टिक आहार लेने से बच्चे न केवल भोजन बेहद रुचि से ग्रहण करते है बल्कि उनके शरीर पर भी भोजन का बेहद अच्छा प्रभाव पड़ता है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुश्री अनिता ठाकुर ने बताया कि वे 03 से 06 वर्ष के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पोषण वाटिका के पौष्टिक तत्वों से युक्त सब्जियों का लाभ प्रदान कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा 03 से 06 वर्ष के बच्चों का देख रेख किया जाता है।

धान खरीदी केंद्रों पर माइक्रो एटीएम की सुविधा से किसानों को राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए धान खरीदी केंद्रों को आधुनिक और सुलभ बनाया जा रहा है। इन केंद्रों पर माइक्रो एटीएम की सुविधा ने किसानों को बड़ी राहत दी है। सेंदरी सेवा सहकारी समिति के धान खरीदी केंद्र पर पहुंचे किसानों ने इस पहल की सराहना करते हुए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सेंदरी गांव के किसान परसराम केवट ने खुशी जाहिर करते हुए बताया, धान बेचने के बाद खरीदी केंद्र पर ही माइक्रो एटीएम से भुगतान मिल जाना हमारे लिए बहुत बड़ा बदलाव है। अब बैंक की लंबी कतारों में घंटों इंतजार नहीं करना पड़ता। समय पर पैसे मिलने से ट्रांसपोर्ट और अन्य जरूरतों को पूरा करना आसान हो गया है।

ग्राम गतौरी के किसान तेजस्वी सिंह ठाकुर ने भी इस सुविधा की तारीफकरते हुए कहा कि माइक्रो एटीएम से तुरंत भुगतान होने से किसानों को काफी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि अब धान बेचने में किसी तरह की परेशानी नहीं होती और बैंक जाने की आवश्यकता भी कम हो गई है। बिल्हा ब्लॉक के सेंदरी धान खरीदी केंद्र पर किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। केंद्र पर शीघ्र टोकन कटने की प्रक्रिया, साफ-सफाई, पीने के पानी की व्यवस्था और कर्मचारियों का सहयोगात्मक रवैया किसानों के लिए खरीद प्रक्रिया को आसान बना रहा है।

धान खरीदी केंद्र पर किसानों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने समय पर भुगतान और माइक्रो एटीएम जैसी सुविधाओं को सुनिश्चित करके उनकी समस्याओं को हल कर दिया है। किसानों ने कहा कि ये पहल न केवल समय की बचत कर रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर भी बना रही है।

जिला प्रशासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और अवैध धान संग्रहण पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों की सतर्कता से जिले में धान खरीदी प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो रही है। धान खरीदी केंद्रों पर माइक्रो एटीएम की सुविधा ने किसानों की दिनचर्या को सरल बना दिया है। यह कदम किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है और राज्य सरकार की किसानों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल और आर्थिक क्रांति की ओर एक बड़ा कदम है। इससे किसानों का न केवल सरकार पर भरोसा बढ़ा है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है।

पुरातात्विक शैलचित्रों के लिए प्रसिद्ध चितवाडोंगरी बन रहा है प्रमुख पर्यटन केंद्र

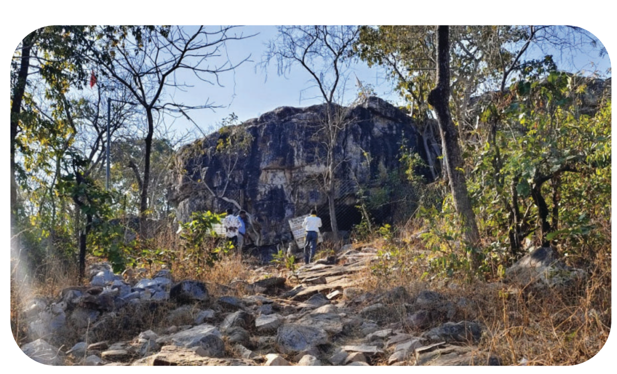

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले का चितवाडोंगरी अपनी पुरातात्विक शैलचित्रों और प्राकृतिक गुफाओं के लिए जाना जाता है। डौंडी लोहरा विकासखंड के ग्राम सहगांव के पास स्थित यह क्षेत्र न केवल ऐतिहासिक महत्व का है, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य से भी भरपूर है। चितवाडोंगरी के ऊंचे भाग से गोंदली जलाशय और आसपास के वनांचल का अद्भुत दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

चितवाडोंगरी में बड़ी चट्टानों के बीच स्थित छोटी-छोटी गुफाएं और इन पर उकेरे गए प्राचीन शैलचित्र इसकी ऐतिहासिकता को उजागर करते हैं। इन शैलचित्रों को संरक्षित करने के लिए वन विभाग ने इसे तारों से घेर दिया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने चितवाडोंगरी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के कई प्रयास किए हैं। यहां बैठक व्यवस्था, सोलर लाइट, शुद्ध पेयजल, शौचालय और पर्यावरण के अनुकूल रास्ते बनाए गए हैं। साथ ही वृक्षारोपण भी किया गया है, जिससे यह स्थान और अधिक आकर्षक बन गया है। इस क्षेत्र की खूबसूरती और ऐतिहासिक महत्व को देखने देशभर से पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। चितवाडोंगरी अब बालोद जिले के प्रमुख पुरातात्विक पर्यटन स्थलों में से एक बन चुका है, जहां आगंतुकों को इतिहास और प्रकृति का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। वहीं धान खरीदी व्यवस्था पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। राज्य में 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। अब तक लगभग 106 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एवज में 20.53 लाख किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 23 हजार 790 करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी।

प्रदेश के समस्त पंजीकृत कृषकों को खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान विक्रय हेतु टोकन की सुविधा ऑनलाईन एप्प (टोकन तुंहर हांथ) एवं उपार्जन केन्द्रों में 25 जनवरी 2025 तक के लिए उपलब्ध कराया गया है। किसान सुविधा अनुसार तिथी का चयन कर नियमानुसार धान विक्रय कर सकते है।

धान खरीदी के साथ-साथ मिलर्स द्वारा धान का उठाव भी तेजी से हो रहा है। अब तक 79.15 लाख मीटरिक टन धान के उठाव के लिए डीओ और टीओ जारी किया गया है, इसके एवज में 49.15 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 07 जनवरी 2025 को 65 हजार 321 किसानों से 3.41 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 75 हजार 905 टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस के लिए 73 हजार 725 टोकन जारी किया गया है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा इस खरीफवर्ष के लिए 27.78 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.59 लाख नए किसान शामिल है।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रगति लाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जनपद पंचायत के सीईओ की बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छत भारत मिशन के तहत् शौचालय निर्माण, मनरेगा के कार्य, पीएम जनमन योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की।

कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान बगीचा और पत्थलगांव के जनपद सीईओ को प्रधानमंत्री आवास योजना के धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आवास योजना के तहत् जिन हितग्राहियों को खाता नहीं खुला है उनका शीघ्र खाता खुलवाने के लिए जनपद पंचायत के सीईओ को निर्देश दिए। साथ ही आवास मित्रों के माध्यम से विकासखण्डों में प्रधानमंत्री आवास निर्माण के कार्यो में नियमित निगरानी करवाने के लिए कहा है। उन्होंने लंबित कार्यों की भी जानकारी ली और कार्यों का जियो टैगिंग अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत् चिन्हांकित 1600 हितग्राहियों के घरों में शौलचालय निर्माण करवाया जाना है। उनकी जानकारी अपडेट करके कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के लिए कहा है साथ ही ओडीएफके तहत मॉडल ग्राम बनाने हेतु जनपद पंचायत के सीईओ को दो-दो गांव, जिला कॉडिनेटर को दो गांव एवं ब्लॉक कॉर्डिनेटर को एक गावं गोद लेने के लिए कहा है।

नशे का धंधा करने वाले पर पुलिस ने कसा शिकंजा छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में नशे का कारोबार करने वाले आरोपी की 2 करोड़ 5 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। प्रदेश में अब तक की ये सबसे बड़ी कार्रवाई है। आरोपी सुच्चा सिंह उर्फ संजीव छाबड़ा ने अवैध कमाई को वैध करने के लिए कंस्ट्रक्शन कंपनी भी बना ली थी। नशीली दवाओं को कोरियर और बस से अलग-अलग जिलों में पार्सल बनाकर भेजता था। इस कंपनी के जरिए वह नशीली दवाओं के पैसे को जमा कर वैध बनाता था। पुलिस ने उसके अकाउंट के पांच साल के लेनदेन के ट्रांजेक्शन के आधार पर कार्रवाई की है। अब संपत्ति को राजसात करने के लिए मुंबई स्थित सफेमा कोर्ट में केस पेश किया जाएगा।

एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि जिले में आमतौर पर नशे के खिलाफ कार्रवाई केस दर्ज करने और गिरफ्तारी तक सीमित रहती है। इसके चलते अवैध कारोबार में शामिल लोग जेल से छूटते ही फिर से कारोबार शुरू कर देते हैं। अब पुलिस ऐसे अपराधियों की संपत्ति भी जब्त करने की कार्रवाई कर रही है। ऐसे ही एक मामले में पुलिस ने नशे का कारोबार करने वाले सुच्चा सिंह उर्फ संजीव छाबड़ा की संपत्ति की जानकारी जुटाई। इसमें पता चला कि करीब आरोपी ने 2 करोड़ 5 लाख रुपए की संपत्ति जुटाई है। इसमें बिलासपुर के साथ ही मध्यप्रदेश के जबलपुर, महाराष्ट्र के नागपुर, फरीदाबाद और हरियाणा में जमीन खरीद कर मकान, दुकान और कॉम्प्लेक्स बनाया गया है।

सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि रकम को छिपाने के उद्देश्य से आरोपी संजीव छाबड़ा ने छाबड़ा कंस्ट्रक्शन के नाम से फर्म रजिस्टर्ड कराया। फर्म की जांच करने पर पता चला कि इस नाम की कोई भी फर्म बिलासपुर के टिकरापारा में नहीं है। आयकर विभाग से जानकारी ली गई तो पता चला कि उसके फर्म में कोई व्यवसाय नहीं है। लेकिन, फर्म के अकाउंट पर करोड़ों रुपए का लेन-देन किया गया है। उसके अलग-अलग बैंक अकाउंट के पांच साल के आय-व्यय की भी जानकारी जुटाई गई, पता चला कि ज्यादातर पैसे नशीली दवाओं की सप्लाई कर जमा कराई गई है।

पुलिस की पूछताछ और जांच में पता चला है कि पुलिस की कार्रवाई के डर से सुच्चा सिंह ने करीब 16 साल पहले बिलासपुर छोड़ दिया। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में रहकर बिलासपुर सहित अलग-अलग जिलों में नशीली दवाओं को कोरियर और बस से पार्सल बनाकर भेजता था। इसे यहां उसके गिरोह के सदस्य लेकर सप्लाई करते थे। जांच में पता चला है कि स्थानीय तस्कर पैसों को उसके अकाउंट पर जमा कराते थे। उसके खातों में करोड़ों का लेनदेन केवल प्रतिबंधित नशीली दवाओं का है। पुलिस ने उसके यूनियन बैंक के अकाउंट में जमा 3 लाख 95 हजार रुपए, बंधन बैंक के अकाउंट में जमा 3 लाख 72 हजार रुपए को फ्रीज कराया है।

यही नहीं आरोपी संजीव कुमार छाबड़ा ने अपने माता-पिता, भाई और भाई की पत्नी के खातों में भी रकम ट्रांसफर कराई। उसी रकम को अपने खातों पर वापस लेकर करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाई। आरोपी संजीव कुमार छाबड़ा की प्रॉपर्टी और खाते की रकम की पहचान कर जब्ती की कार्रवाई करते हुए मुंबई स्थित सफेमा कोर्ट में केस भेजा गया है। 30 आरोपियों की पहचान कर होगी गिरफ्तारी एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में वह नशीली दवाओं का बड़ा तस्कर है। इस गिरोह के नीचे से ऊपर तक कार्रवाई की गई है, इसमें अब तक 16 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसका सरगना सुच्चा सिंह था। उसके नेटवर्क में दूसरे प्रदेश के लोग भी शामिल हैं। नेटवर्क में शामिल 30 से 35 लोगों की जानकारी मिली है, जिसमें कुछ मेडिकल शॉप ऑनर भी हैं, जिनके खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाकर कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि इस बड़ी कार्रवाई में शामिल पुलिस अफसर और जवानों को सम्मानित किया जाएगा।

खास खबर

एम्स में नौकरी लगाने के नाम पर 3.37 लाख ठगी

रायपुर। सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक के माध्यम से युवती ने युवक से दोस्ती की और वह उसे एम्स रायपुर में नर्स की नौकरी लगाने के नाम पर 3.37 लाख रुपए वसूल कर फरार हो गया। ठगी की शिकार हुई युवती ने आमानाका थाने में युवक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। फिलहाल पुलिस युवक की तलाश में जुट गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भाठागांव निवासी युवती दुर्गेश्वरी साहू का आरडीए कॉलोनी सरोना निवासी रितेश्वर भुमरकर से फेसबुक पर परिचय हुआ था। गहरी दोस्ती होने के बाद युवती ने नौकरी लगाने की बात कही। रितेश्वर ने एम्स में अपना परिचय होने और स्टाफ नर्स की नौकरी लगाने का भरोसा दिलाया और इस पर एम्स प्रबंधन के लोगों को लेनदेन के लिए दुर्गेश्वरी से पैसे खर्च होने की भी बात कही। युवती ने भी खर्च देने सहमत हुई और रितेश्वर ने अपने बताए खातों में 29 मार्च से 26 जुलाई 2024 के बीच अलग-अलग दिन कुल 3.37 लाख रुपए डिपाजिट कराया और अब तक नौकरी न लगने पर दुर्गेश्वरी ने पैसे वापस देने की बात कही तो वह ना-नुकर करने लगा। इससे परेशान होकर युवती ने कल रात आमानाका थाने में मामला दर्ज करवाया, पुलिस ने धारा 318 के तहत मामला दर्ज उसकी तलाश में जुट गई है।

दूसरे की जमीन को अपना बताकर लाखों की ठगी, पती-पत्नी के खिलाफ एफआईआर

रायपुर। राजधानी में जमीन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें देवेंद्र नगर सेक्टर-5 के निवासी महेश कोडवानी और भारती कोडवानी पर 75 लाख रुपये की ठगी का आरोप है। सिविल लाइंस थाना में दर्ज एफआईआर के अनुसार, आरोपियों ने अपनी बताकर जिस जमीन का सौदा किया, वह उनकी थी ही नहीं।

पीड़ित दीपक रहेजा, जो रियल एस्टेट व्यापारी हैं, उन्होंने आरोपियों के साथ मंदिरहसौद इलाके में 6 एकड़ जमीन का सौदा किया था। इस सौदे में जमीन की कीमत 1.90 करोड़ रुपये प्रति एकड़ तय हुई थी। आरोपियों ने खसरा नंबर 788/3 समेत अन्य जमीनें दिखाईं और 75 लाख रुपये अग्रिम राशि के तौर पर ले लिए। जब दीपक ने रजिस्ट्री कराने के लिए कहा, तो आरोपी टालमटोल करने लगे। बाद में पता चला कि जिस जमीन का सौदा किया गया था, वह महेश और भारती कोडवानी की नहीं थी। इस पर दीपक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि महेश और भारती कोडवानी ने खसरा नंबर 788/3 रकबा 0.9550 हेक्टेयर (2.36 एकड़) को अपनी बताकर ऑनलाइन रिकॉर्ड दिखाया। बाद में जब पीड़ित ने जांच की, तो पता चला कि इस जमीन के स्वामित्व को लेकर विवाद था, और आरोपियों ने खसरा सुधार के लिए आवेदन भी दे रखा था। वहीं इस मामले में सिविल लाइंस पुलिस ने महेश और भारती कोडवानी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा महिला नेता गिरफ्तारः वायरल वीडियो मामले में हुआ एक्शन

सारंगढ़ (ए.)। भाजपा महिला नेता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल भाजपा नेत्री हेमकुंवर नायक का जातिसूचक गाली गलौज करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था, जिसके बाद भाजपा नेता पर मामला दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद महिला नेत्री फरार हो गई थी। अब पुलिस ने बरमकेला की भाजपा नेत्री हेमकुंवर नायक को गिरफ्तार कर लिया है।

आपको बता दें कि जनपद पंचायत परिसर सारंगढ़ में कर्मचारी को गाली गलौज व जाति सूचक बातें कही थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। आरोप है कि राशन कार्ड बनाने को लेकर पूरा विवाद हुआ था। मामले में पीड़ित पक्ष ने मामला दर्ज कराया था। सारंगढ़ सिटी कोतवाली पुलिस ने

प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश की थी, हालांकि वो फरार हो गयी थी। अब पुलिस ने महिला नेता को गिरफ्तार कर लिया है। जनपद पंचायत के कर्मचारी नारद कुर्रे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। कुर्रे का आरोप है कि नेत्री ने उन्हें जातिगत आधार पर अपमानित किया।

वहीं, हेम कुंवर नायक ने इस मामले को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बिना जांच के एकतरफा कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि वह राशन कार्ड से संबंधित कार्य के लिए जनपद पंचायत पहुंची थीं, जहां डाटा एंट्री ऑपरेटर नारद कुर्रे ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और जानबूझकर वीडियो बनाकर उन्हें फंसाने की कोशिश की। इसी बीच कांग्रेस विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े और नगर पालिका अध्यक्ष सोनी बंजारे के पति अजय बंजारे पर भी भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज किया गया है। भाजपा पदाधिकारियों की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। विधायक जांगड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने कलेक्ट्रेट ऑफिस में तोड़फोड़ और बलौदाबाजार की घटना का जिक्र करते हुए विवादित बयान दिया था।

ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर पर सरकार की बड़ी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक निर्माण विभाग ने बीजापुर के ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए उसे दिए गए सभी कार्य निरस्त कर दिए हैं। बस्तर परिक्षेत्र जगदलपुर के विभागीय मुख्य अभियंता की अनुशंसा पर प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा सुरेश चंद्राकर का पंजीयन निलंबित किया गया है।

मुख्य अभियंता द्वारा लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सुरेश चंद्राकर अ वर्ग ठेकेदार, बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड के मुख्य आरोपी के रूप में समाचार पत्रों में प्रकाशित किए

जाने तथा गिरफ्तार किए जाने के कारण उसके पंजीयन को निलंबित किए जाने की अनुशंसा की गई थी। मुख्य अभियंता की अनुशंसा को दृष्टिगत रखते हुए विभाग ने सुरेश चंद्राकर का पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं सुरेश चंद्राकर को दिए गए सड़क निर्माण के कार्यों को लंबे समय तक बंद पाए जाने तथा कार्यों की धीमी गति के कारण उसे दिए गए सभी कार्यों को निरस्त कर दिया गया है।

कलेक्ट्रेट में भाई-बहन ने की खुदकुशी की कोशिश

धमतरी। सलोनी में धान की फसल को काटने के बाद पंचायत ने जब्त किया। शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने पर 6 जनवरी को महिला अपने भाई के साथ 2 बोतल पेट्रोल लेकर कलेक्टोरेट पहुंची। गेट पर मौजूद सुरक्षा गार्ड ने महिला से पूछताछ की और उसके हाथ में रखे पेट्रोल को छीना। कलेक्टर नम्रता गांधी ने मामले को सुनने के बाद नगरी एसडीएम को जांच के लिए निर्देशित किया। उमा बाई साहू ने बताया कि वह जालमपुर वार्ड धमतरी में रहती है। महिला का भाई पलारी निवासी रमेश साहू ने बताया कि वह डूबान प्रभावित चंवर गांव में रहते थे। व्यवस्थापन के तहत 3 साल पहले सलोनी में काबिज हैं। चार एकड़ खेती जमीन में धान की फसल लगाई थी। धान की कटाई करने के बाद 31 दिसंबर को पंचायत ने तहसीलदार का आदेश बताकर फसल को ले गए। कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर से शिकायत की है। कार्रवाई नहीं होने पर आत्मघाती कदम उठाने मजबूर हैं। नगरी एसडीएम डॉ. विभोर अग्रवाल ने बताया कि मामला न्यायालयीन प्रक्रिया में है।

छत्तीसगढ़ में नीलगाय का शिकार करने वाले 6 तस्कर गिरफ्तार

बलरामपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रामानुजगंज वन परिक्षेत्र के छतवा गांव में नीलगाय का शिकार करने वाले 6 आरोपियों को वन विभाग की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने जंगल में नीलगाय का शिकार विद्युत करंट लगाकर किया था। इस घटना में शामिल आरोपियों के पास से नीलगाय का मांस, तड्ढ तार और कुल्हाड़ी बरामद की गई है। जानकारी के मुताबिक वन परिक्षेत्र रामानुजगंज के, छतवा गांव के जंगल में आरोपियों ने नीलगाय को फंसाने और शिकार करने के लिए तड्ढ तार का उपयोग किया। उन्होंने तार में विद्युत करंट प्रवाहित कर नीलगाय को मार गिराया। वन विभाग को जब इसकी सूचना मिली, तो उन्होंने

तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि नीलगाय ने गेहूं की फसल को नष्ट कर दिया था। तिलमिला कर अपराधियों ने नीलगाय को मौत के घाट उतार दिया और मांस को अपने दोस्तों के साथ बांटकर खाने में जुट गए। रामानुजगंज वन परिक्षेत्र के एसडीओ संतोष पांडे ने कहा कि आरोपियों ने नीलगाय को मारकर वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम का गंभीर उल्लंघन किया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग अलर्ट है। आरोपियों से नील गाय की सिर और 30 किलो मांस भी जब्त किया गया है। गिरफ्तार आरोपी में लक्ष्मी प्रसाद (45 वर्ष), विश्वनाथ रवि (60 वर्ष), विश्वनाथ रवि (22 वर्ष), पन्ना लाल रवि (28 वर्ष), कन्हाई प्रसाद कुर्रे (47 वर्ष), विजय रवि (35 वर्ष) शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र.163709/निविदा सूचना क्र. 23/वलेलि/2024-25, कवर्धा दिनांक 06.01.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 23.01.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम - कबीरधाम जिले के विकासखंड बोडला अंतर्गत घोंटा जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार, हेड स्लूस का पुर्ननिर्माण, वेस्ट वियर का मरम्मत, मुख्य एवं माईनर नहरों का रिमाडलिंग एवं सी.सी. लाईनिंग, 03 नग व्ही.आर.बी. निर्माण सहित कुलाबा पाईप फिक्सिंग कार्य।

अनुमानित लागत - रू. 116.02 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 13.01.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट:- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
कृते-अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

जी-242505132/7

पीएचसी के लिए आरक्षित जमीन से हटाया गया बेजा कब्जा, दतरेंगा में गिराई बाउड्रीवाल, डोमा में तालाब किनारे से हटाया कब्जा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाईयां तेज कर दी गई हैं। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने भी समय सीमा की साप्ताहिक बैठकों में शासकीय जमीनों पर अवैध रूप से किए गए कब्जों को हटाने में तेजी लाने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए है।

इसी क्रम में मंगलवार को तहसीलदार पवन कोसमा ने दतरेंगा और डोमा ग्राम पंचायतों में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। तहसीलदार की मौजूदगी में ग्राम पंचायत दतरेंगा में सरकारी जमीन पर नियम विरूद्ध बनाई गई बाउड्रीवाल को जेसीबी मशीन से गिरा दिया गया । वहीं ग्राम डोमा में तालाब के ऊपर किए जा रहे अवैध कब्जे को

भी हटा दिया गया। इस दौरान क्षेत्र के पटवारी, ग्राम पंचायतों के सरपंचों के साथ अन्य राजस्व अमला भी मौजूद रहा।

तहसीलदार कोसमा ने बताया कि ग्राम दतरेंगा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए आरक्षित की गई शासकीय भूमि पर पंजवानी नाम के व्यक्ति द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा था। इस भूमि पर पंजवानी ने अवैध रूप से बाउड्रीवाल भी खडी कर ली थी। तहसीलदार द्वारा इस अवैध कब्जे के खिलाफ पंजवानी को नोटिस जारी कर उसे हटाने के निर्देश दिए गए थे। तहसीलदार ने यह भी बताया कि जारी नोटिस के बाद भी पंजवानी ने अवैध कब्जा नहीं हटाया। लगभग 50 डिसमिल शासकीय भूमि को घेरकर बनाई गई बाउड्रीवाल को आज जेसीबी मशीन से गिराकर कब्जामुक्त कर दिया गया है। अब इस भूमि पर लोगों की सुविधा के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बन सकेगा। तहसीलदार ने डोमा गांव में भी तालाब के किनारे ग्रामीणों द्वारा सीमेंट पोल गड़ाकर तार से घेरा बना शासकीय जमीन पर किए जा रहे कब्जे को हटवाया। यह कार्रवाई हल्का पटवारी की रिर्पोट के आधार पर की गई।

अवैध उत्खनन पर कार्रवाई जारी, हफ्ते भर में 66 वाहन जब्त

रायपुर। जिले की अवैध खनिज खनन पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। विगत सप्ताह में 66 खनिज वाहनों के विरूद्ध अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई की गई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई जारी है।

रायपुर जिले में खनिज विभाग की टीम ने तहसील गोबरानवापारा के ग्राम पारागांव में अवैध रेत उत्खनन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान रेत खनन बंद पाए जाने की स्थिति किन्तु रेत खनन के लिए बनाए गए अवैध रैम्प को मशीन से नष्ट किया गया। साथ ही पारागांव के निकट ही गरियाबंद जिले में संयुक्त टीम के साथ कार्रवाई कर रेत का अवैध उत्खनन करते हुए 2 चैन माउंटेन मशीन को जब्त कर थाने को सुपुर्द किया है। ग्राम चीचा में अवैध मुरूम उत्खनन पर कार्रवाई करते हुए 1 रबई और एक हाईवा को जब्त किया गया है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश में की जा रही कार्रवाई में खनिज विभाग के उप संचालक केके गोलघाटे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भक्तिन माता राजिम के आदर्श सभी समाजों के लिए अनुकरणीयः विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने की भक्तिन माता राजिम की भव्य कांस्य प्रतिमा के लिए 5 करोड़ रूपए की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजिम शैव और वैष्णव परंपरा का संगम स्थल है। राजिम के इस पवित्र स्थल में ही भगवान श्रीराम ने कुलेश्वर महादेव की स्थापना कर उनकी पूजा-अर्चना की थी। सोन्दूर, पैरी और महानदी के त्रिवेणी संगम के कारण यह क्षेत्र पूरे देश में प्रसिद्ध है। राजिम नगरी छत्तीसगढ़ का प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध है। यहां से प्रवाहित होने वाली महानदी पापमोचिनी गंगा कहलाती है। राजिम भक्तिन माता के नाम पर ही राजिम का नाम हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजिम में साहू समाज द्वारा आयोजित भक्तिन माता राजिम जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह हम सबके लिए गौरव की बात है कि हम आज उस भूमि में एकत्रित हुए हैं जहां भगवान श्रीराम ने माता सीता के साथ अपने चरण रखे। माता सीता ने यहां महादेव की पूजा अर्चना की और रेत से ही कुलेश्वर महादेव को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि राजिम भक्तिन माता ने जिस त्याग और तपस्या का उदाहरण प्रस्तुत किया, उसकी स्मृति साहू समाज संजोये हुए है। राजिम भक्तिन माता की जयंती से सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलता है। साथ ही उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा मिलती है। समाज के एकजुट होने से प्रदेश और देश को भी मजबूती मिलती है। उन्होंने इस अवसर पर राजिम में भक्तिन माता की भव्य कांस्य प्रतिमा की स्थापना के लिए 5 करोड़ रूपए की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि साहू समाज प्रगतिशील समाज है। यह समाज खेती किसानी के साथ-साथ व्यापार, उद्योग जगत में आगे बढ़ रहा है। साहू समाज अपनी विरासत को भी संजोये हुए हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास की नीति लेकर 140 करोड़ भारतीयों को अपना परिवार मानकर उनके हित में 18-18 घंटे काम करने वाले देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी आपके समाज का गौरव हैं।

मुख्यमंत्री ने की माता राजिम एवं भगवान श्री राजीव लोचन की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री देव साय ने राजिम पहुंचकर भगवान राजीव लोचन मंदिर में भक्तिन माता राजिम एवं भगवान राजीव लोचन की विधि विधान से पूजा अर्चना की और प्रदेशवासियों की खुशहाली और सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक सर्वश्री मोतीलाल साहू, रोहित साहू, ईश्वर साहू, संदीप साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के समय राजिम में भव्य कुंभ कल्प की शुरूआत हुई थी। पूर्ववर्ती सरकार ने इसकी गरिमा कम कर दी थी। हमारी सरकार ने राजिम कुंभ कल्प की गरिमा को पुनर्स्थापित किया है। पिछले साल राजिम कुंभ में देश भर से संत समागम हुआ। हम इस साल भी हम भव्य राजिम कुंभ कल्प का आयोजन करने जा रहे है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माताओं और बहनों की उपस्थिति है। हमने महतारी वंदन योजना से महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम किया है। अभी हाल ही में इस योजना की ग्यारहवीं किश्त माता-बहनों के खाते में हस्तांतरित की गई है। पहली तारीख को माताओं-बहनों के मोबाइल में इस योजना की राशि जाती है और उनका चेहरा खिल जाता है। इससे उन्हें अपने बजट को व्यवस्थित करने में मदद मिलती है। जब भी मैं इस बारे में उनसे चर्चा करता हूँ वे बहुत खुश हो कर बताती हैं कि इस योजना से उनके जीवन में कितना बदलाव आया। सही मायने में तब लगता है कि हम अटल जी के सुशासन का सपना छत्तीसगढ़ में साकार कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि उन्होंने अमेरिका प्रवास के दौरान देखा कि किस तरह विदेशों में भी साहू समाज के बच्चे छत्तीसगढ़ का परचम लहरा रहे हैं। अपनी कर्मठता और संकल्पशक्ति से साहू समाज के लोग देश-दुनिया में समाज का नाम उंचा कर रहे हैं। केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि भक्त माता करमा के नाम पर डाक टिकट जारी होना हम सब के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि करमा माता ने अपना जीवन समाज को समर्पित किया, उनके विचारों और आदर्शों से समाज का विकास हो सके इसलिए जरुरी है कि हम सभी उन विचारों को आत्मसात करें।

मुख्यमंत्री साय ने सरगुजा सांसद और सरगुजा संभाग के सभी विधायकों के साथ की बड़ी बैठक

विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य पाने सरगुजा अंचल की होगी अग्रणी भूमिका : सीएम विष्णुदेव साय

- पर्यटन के मानचित्र पर सरगुजा को मिलेगी विशेष जगह
- सड़कों के जाल से परिवहन सुविधाएं बेहतर बनाने पर तेजी से होगा काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सरगुजा संभाग के सभी विधायकों और सरगुजा सांसद के साथ बड़ी बैठक की। बैठक में उन्होंने सरगुजा अंचल के विकास को लेकर सभी के साथ मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक में सांसद और विधायकों से क्षेत्र में विकास की सभी संभावनाओं को लेकर अहम चर्चा की और उनके सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि समूचे सरगुजा संभाग के विकास पर हमारी नजर है और सरगुजा को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने सभी संभावनाओं पर काम कर रहे है। हमारी सरकार एक बेहतर कार्य योजना इसके लिए तैयार कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने विकसित छत्तीसगढ़ का जो विजन तैयार किया है, उसमें समूचे छत्तीसगढ़ के साथ-साथ हमारे दोनों आदिवासी बहुल बस्तर और सरगुजा संभाग की अग्रणी भूमिका होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर उनके क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने और इसका सतत मॉनिटरिंग करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने विजन के अनुरुप विकास के कामों को लगातार जारी रखेंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में सरगुजा क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं को लेकर विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। देश में पर्यटन के नक्शे पर सरगुजा को विशेष स्थान मिले, यह प्रयास हम कर रहे है। उन्होंने कहा कि हाल ही में अंबिकापुर एयरपोर्ट से नियमित विमान सेवा की शुरुआत हुई है, जिससे नागरिक सुविधाओं के बढ़ने के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने समूचे सरगुजा संभाग में परिवहन की बेहतर सुविधा के लिए काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि यातायात को सुगम बनाने के लिए सरगुजा को अन्य इलाकों से बेहतर सड़कों के माध्यम से जोड़ा जाएगा। सड़कों के जाल से परिवहन सुविधाएं बेहतर होगी और इससे सरगुजा का तेजी से विकास भी होगा।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक भैयालाल राजवाड़े, विधायक राम कुमार टोप्पो, विधायक राजेश अग्रवाल, विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैंकरा, विधायक श्रीमती रायमुनि भगत, विधायक शकुंतला पोर्ते, विधायक श्रीमती गोमती साय, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक भूलन सिंह मरावी और अधिकारीगण मौजूद रहे।

मंत्री नेताम ने पीएम आवास योजना के तहत् महेन्द्र कोरवा को सौंपा चाबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम जिला बलरामपुर-रामानुजगंज प्रवास के दौरान बलरामपुर नगरीय निकाय के अंतर्गत चांदो चौक स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस मौके पर प्रधानमंत्री आवास शहरी योजना अंतर्गत पहाड़ी कोरवा महेन्द्र कोरवा को पक्के आवास की चाबी सौंपी। मंत्री श्री नेताम के हाथ से आवास की चाबी पाकर हितग्राही श्री महेन्द्र कोरवा काफी खुशी हुई। उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार और मंत्री रामविचार नेताम के प्रति आभार जताया।

पक्का आवास मिलने पर महेन्द्र कोरवा ने कहा कि वे खेती-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उनके लिए पक्का घर बनाना मुश्किल था लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनका सपना साकार कर दिया है। अब उनके बच्चे भी पक्के घर में रहेंगे और किसी भी मौसम में परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

गौरतलब है कि हरेक गरीब को पक्का आवास मिले इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना चलाई जा रही है। इस योजना से गरीबों के पक्के आवास का सपना साकार हो रहा है।

ग्रामीण अंचलों के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्धता से कर रही कार्य: वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने पुसौर विकासखण्ड में विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखण्ड अंतर्गत बाघाडोला, नवापारा-अ एवं छपोरा में 70 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब, किसानों सहित सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। ग्रामीण अंचलों में जनसुविधाओं के विस्तार हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के कार्य तेजी से आगे बढ़ाएं जा रहे है।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि सरकार गठन के उपरांत 18 लाख आवास निर्माण को स्वीकृति दी गई। इन आवासों का निर्माण पूरी तेजी से करवाया जा रहा है। पीएम आवास योजना से गरीबों के पक्के मकान का सपना पूरा हो रहा है। महतारी वंदन योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं। उन्हें प्रतिमाह एक-एक हजार रूपये राशि उनके खाते में भेजी जा रही है। जिससे महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि अपने घर-परिवार में भी निर्णय लेने में बराबरी का हक महसूस कर रही हैं। इसके साथ ही विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के माध्यम से किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए कृषक उन्नति योजना के माध्यम से दो साल का बोनस दिया गया। इसी तरह किसानों से 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल के मान से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदा जा रहा है। रामलला दर्शन योजना के माध्यम से बुजुर्गो को अयोध्या धाम के दर्शन कराए जा रहे है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अधिकारियों से कहा कि सभी निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ किए जाए। इसमें समय-सीमा का भी विशेष ध्यान रखें। हमारा उद्देश्य लोगों को जनोपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी अपने दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन करें।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने पुसौर विकासखण्ड के बाघाडोला, नावापारा-अ एवं छपोरा में 70 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें बाघाडोला में 25 लाख 40 हजार रुपये की लागत से 3 सीसी रोड निर्माण, 1 लाख 50 हजार रुपये की लागत से दर्री तालाब में पचरी निर्माण, 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन के पास शेड निर्माण शामिल है। इसी तरह नावापारा-अ में 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण तथा छपोरा में 12 लाख 90 हजार रुपये की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण तथा 10 लाख 35 हजार रुपये की लागत से मुक्तिधाम सह प्रतिक्षालय निर्माण शामिल है।

हर राज्य की अपनी एक विशिष्ट पहचान है-राज्यपाल डेका

राजभवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड, जम्मू व कश्मीर और लद्दाख का स्थापना दिवस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजभवन में आज कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड, जम्मू व कश्मीर और लद्दाख राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने इस अवसर पर कहा कि भारत विभिन्न रंगों के अनेक पुष्पों की एक माला है। हर राज्य की अपनी एक अलग पहचान है। इन राज्यों के लोग अपनी विशिष्ट पहचान के साथ छत्तीसगढ़ में निवास करते हुए व्यवसाय या नौकरी कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे राज्यों का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी कड़ी में राजभवन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें छत्तीसगढ़ में निवास करने वाले कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड, जम्मू व कश्मीर और लद्दाख राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया। राज्यपाल ने स्थापना दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि इस कार्यक्रम के पीछे का विचार, विभिन्न राज्यों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान का आदान-प्रदान करना है, जो आपसी समझ और सद्भाव को बढ़ावा देगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। इस परिप्रेक्ष्य में आज का कार्यक्रम एक गौरवपूर्ण क्षण है।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि हर राज्य का स्थापना दिवस, उस राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन होता है। राज्य की समृद्धि और विकास का गवाह यह दिन हमें अपने राज्य की स्थापना के मूल उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का रास्ता दिखाता है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों का स्थापना दिवस, केवल उनके विकास की यात्रा का उत्सव नहीं है बल्कि भारत की विविधता और एकता का प्रतीक है।

राज्यपाल श्री डेका ने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं को रेखांकित किया। माटी का स्वर्ग, कर्नाटक अपने अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृति के साथ-साथ भाषा और साहित्य में समृद्ध है। यह राज्य कन्नड़ साहित्यकारों और कवियों का घर है, जिन्होंने भारतीय साहित्य को अद्वितीय ऊंचाईयां प्रदान की है। तमिलनाडु राज्य के संबंध में कहा कि यह भारत की द्रविड़ सभ्यता का केंद्र है जो अपनी कला, संस्कृति, भाषा, साहित्य, आध्यात्मिक धरोहर के लिए विख्यात है। इस राज्य ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दिल्ली के संबंध में कहा कि यह हमारी राजधानी ही नहीं बल्कि देश का दिल भी है। यह वह भूमि है जहां इतिहास ने करवट ली है। यह राज्य सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण है। झारखंड के बारे में कहा कि खनिज संपदा से भरपूर झारखंड अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां के आदिवासियों की अपनी अनूठी परंपराएं, रीति-रिवाज, लोकगीत, संगीत, नृत्य की कलाएं हैं।

राज्यपाल ने देवभूमि उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के बीच समानताओं का उल्लेख किया। दोनों राज्यों का बड़ा हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों में रहता है और कृषि उनकी आजीविका का प्रमुख साधन है। सतत् विकास और पारिस्थितिक संतुलन के लिए दोनों राज्यों में समान चुनौतियां है। जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख राज्यों की प्राकृतिक सुंदरता एवं सांस्कृतिक विविधताओं के साथ अन्य विशेषताओं का जिक्र करते हुए कहा कि हम सब को राष्ट्र की अखंडता, समृद्धि के लिए एकजुट होकर काम करना है।

कार्यक्रम में उपस्थित इन राज्यों के बच्चों एवं युवाओं ने अपने राज्य की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। भरत नाट्यम, सरहुल, एवं अन्य लोक नृत्यों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

दिल्ली राज्य के प्रतिनिधि नवनीत अग्रवाल, उत्तराखंड के प्रतिनिधि ओमप्रकाश, झारखंड के प्रतिनिधि डॉ. चिरंजीवी जैन, कर्नाटक की प्रतिनिधि डॉ. शीला श्रीधर, तमिलनाडु के प्रतिनिधि श्री एस.स्वामीनाथन ने राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से सम्मानित किया। राज्यपाल द्वारा भी इनको राजकीय गमछा पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री उषा बारले, राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव हिना अनिमेष नेताम, इन सभी राज्यों के छत्तीसगढ़ में निवासरत, बच्चे, युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950